भाद्रपद कृष्ण - 1 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 28 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 20-08-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 सरकारी नियुक्तियों में आरक्षण जरूरी, इसमें कोई किंतु-परंतु नहीं : चिराग पासवान

6 डूबती दिल्ली, मरते लोग, दोषी कौन?

7 अभिनेत्री सेलिना जेटली ने स्कूल के दिनों में अपने साथ हुए उत्पीड़न को बयां किया

फर्स्ट टेक

यूक्रेन के अधिकारियों ने लोगों से पोक्रोवस्क शहर छोड़ने को कहा

कीव/एपी। यूक्रेन के अधिकारियों ने सोमवार को पूर्वी शहर पोक्रोवस्क के लोगों के लिए निकासी का आदेश जारी किया। रूस की सेना के अव्दिव्का पर कब्जे के बाद दोनेत्सक क्षेत्र में आगे बढ़ने के बीच यह आदेश जारी किया गया है। अधिकारियों ने कहा है कि रूसी सेना इतनी तेजी से आगे बढ़ रही है कि संभावित हमलों के मद्देनजर पोक्रोवस्क और आस-पास के दूसरे शहरों से लोगों की निकासी जरूरी हो गई है। पोक्रोवस्क में वर्तमान में करीब 53,000 लोग रहते हैं। अधिकारियों ने अमेरिका द्वारा वित्तपोषित 'रेडियो लिबर्टी' को दिए गए साक्षात्कार में कहा कि पोक्रोवस्क के निवासियों के पास शहर को सुरक्षित तरीके से छोड़ने के लिए सिर्फ दो हफ्ते का समय है। अधिकारियों ने पिछले हफ्ते चेतावनी दी थी कि रूसी सेना तेजी से कूच कर रही है और वह शहर के बाहरी इलाके से सिर्फ 10 किलोमीटर दूर है।

सीडीएस जनरल चौहान ने रूस की नौसेना के शीर्ष कमांडर से वार्ता की

नई दिल्ली/भाषा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने सोमवार को रूस की नौसेना के प्रमुख एडमिरल अलेक्जेंडर मोइसेव के साथ वार्ता की जिसमें दोनों देशों के बीच समुद्री सहयोग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यापक चर्चा हुई। एडमिरल मोइसेव भारत की यात्रा पर हैं। एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय ने कहा कि चर्चाओं में समुद्री सुरक्षा बढ़ाने, रणनीतिक सहयोग को गहरा करने और दोनों देशों के बीच एक मजबूत रक्षा साझेदारी को बढ़ावा देने की दिशा में आपसी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया।

इजराइल संघर्ष विराम के लिए सहमत, हमास भी ऐसा करे : ब्लिंकन

तेल अवीव (इजराइल)/एपी। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सोमवार को कहा कि इजराइल ने गाजा में संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई को लेकर गतिरोध दूर करने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है और उन्होंने हमास से भी ऐसा ही करने का आह्वान किया। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि क्या इजराइल ने चरमपंथी समूह द्वारा जताई गई चिंताओं पर ध्यान दिया है या नहीं। दिन में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ ढाई घंटे की बैठक के बाद ब्लिंकन का यह बयान आया है और मंगलवार को उनके मिस्र की यात्रा पर जाने की उम्मीद है। अमेरिका, मिस्र और कतर ने समझौता कराने के लिए कई महीने प्रयास किए, लेकिन वार्ता में बार-बार गतिरोध आते रहे।

20-08-2024 सूर्यास्त 6:27 बजे	21-08-2024 सूर्योदय 5:57 बजे

BSE	NSE
80,424.68 (-12.16)	24,572.65 (+31.50)

सोना	चांदी
7,382 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	89,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पूर्वाग्रह छोड़ें

क्या किसी एक दुर्घटना पर,
हम सबको दोषी कह डालें।
गलती तो कोई एक करे,
क्या बैर सभी से ही पालें।
ना धर्म जाति या वर्ग बुरे,
सबको ना इक साँचे ढालें।
जड़ताएं तज बन कर जहीन,
ऐसी सब स्थितियों को टालें।।

रक्षाबंधन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को लोगों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और कामना की कि यह पावन पर्व सभी के रिश्तों में नई मिठास और जीवन में सुख, समृद्धि एवं सौभाग्य लेकर आए। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''समस्त देशवासियों को भाई-बहन के असीम स्नेह के प्रतीक पर्व रक्षाबंधन की ढेरों शुभकामनाएं। यह पावन पर्व आप सभी के रिश्तों में नई मिठास और जीवन में सुख, समृद्धि एवं सौभाग्य लेकर आए।''बाद में प्रधानमंत्री ने अपने आधिकारिक आवास सात, लोक कल्याण मार्ग पर रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर इससे जुड़ी कुछ तस्वीरें भी साझा की। इन तस्वीरों में विभिन्न स्कूलों की छोटी-छोटी लड़कियां प्रधानमंत्री को राखी बांधते दिख रही हैं।

संघर्ष से जूझती दुनिया में भारत को 'विश्व बंधु' के रूप में देखा जाता है : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन या आतंकवाद के खिलाफ सैद्धांतिक रुख अपनाने सहित वैश्विक चुनौतियों का समाधान तलाशने के लिए भारत, दुनिया के साथ काम कर रहा है तथा तेजी से बदलती और संघर्ष से जूझती दुनिया में देश को भरोसेमंद 'विश्व बंधु' के रूप में देखा जाता है।

यहां राष्ट्रपति भवन में उनसे मिलने आए भारतीय विदेश सेवा (2023 बैच) के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने इन अधिकारियों से विदेश में रहने वाले भारतीयों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहने को कहा।

मुर्मू ने कहा, ''हाल की विदेश यात्राओं में मैंने खुद देखा है कि बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि के क्षेत्र में हमारी साझेदारी की विकास परियोजनाओं से हमें ख्याति मिली है, विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के देशों में।'' उन्होंने कहा कि फिल्मों, योग, आयुर्वेद और भारतीय कला, शिल्प, नृत्य और संगीत सहित भारतीय ज्ञान शक्ति में भी जबरदस्त रुचि है।

राष्ट्रपति ने कहा, ''मैंने यह भी महसूस किया है कि विदेशों में हमारे मित्रों और साझेदारों को अब हमसे बहुत अधिक अपेक्षाएं हैं, जिन्हें हमें पूरा करना चाहिए। यहीं पर आपकी भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। आपको अपने मेजबान देश में व्यापार और वैज्ञानिक समुदाय, सांस्कृतिक प्रतिनिधियों और मीडिया सहित विभिन्न हितधारकों के साथ रचनात्मक रूप से काम करना होगा।''

वजन बरकरार रखना विनेश की जिम्मेदारी थी : खेल पंचाट

सीएएस ने एक विस्तृत निर्णय प्रकाशित किया

नई दिल्ली/भाषा। पेरिस ओलंपिक में फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ पहलवान विनेश फोगाट की अपील पर खेल पंचाट (सीएएस) ने कहा कि खिलाड़ियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे अपने वजन की सीमा के अंदर रहें और इस तरह के मामले में किसी भी परिस्थिति में कोई अपवाद प्रदान नहीं किया जा सकता है। सीएएस के तदर्थ पैनल ने 14 अगस्त को 100 ग्राम अधिक वजन के कारण फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ उनकी अपील को खारिज कर दिया था, इस फैसले पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। सीएएस ने सोमवार को एक विस्तृत निर्णय प्रकाशित किया, जिसमें बताया गया कि विनेश की अपील क्यों खारिज कर दी गई। इसके मुताबिक, '' खिलाड़ी के लिए समस्या यह है कि वजन सीमा के संबंध में नियम स्पष्ट हैं और सभी प्रतिभागियों के लिए समान हैं। इसके लिए (ऊपरी सीमा) कोई छूट प्रदान नहीं की गई है। यह स्पष्ट रूप से खिलाड़ी की जिम्मेदारी है कि वह उस सीमा से नीचे रहे।'' उन्होंने कहा, ''इसमें कोई विवाद नहीं है कि आवेदक का वजन सीमा से अधिक था। उसका मामला यह है कि उसका वजन मात्र 100 ग्राम अधिक था और इसकी छूट मिलनी चाहिये क्योंकि ऐसा पानी पीने और विशेष रूप से मासिक धर्म से पहले के चरण के दौरान हो जाता है।'' विनेश को महिलाओं के 50 किग्रा फ्रीस्टाइल फाइनल की सुबह अयोग्य घोषित कर दिया गया था। उनकी अपील पर निर्णय तीन बार स्थगन के बाद सुनाया गया।

मुक्त, खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए भारत-जापान रक्षा साझेदारी महत्वपूर्ण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जापान के विदेश और रक्षा मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

नई दिल्ली/भाषा। जापान की विदेश मंत्री योको कामिकावा तीसरी भारत-जापान 'टू प्लस टू' वार्ता के लिए सोमवार को यहां पहुंचीं। वार्ता में हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिति की समीक्षा और द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों को विस्तार देने के तरीकों पर विचार-विमर्श किये जाने की उम्मीद है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर मंगलवार को अपने जापानी समकक्षों क्रमश: किहारा मिनोरू और कामिकावा के साथ वार्ता करेंगे।

रक्षा मंत्रालय ने कहा, ''मौजूदा वैश्विक परिवेश में स्वतंत्र, खुला, समावेशी और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए भारत-जापान रक्षा साझेदारी का मजबूत होना जरूरी है।''

उम्मीद की जा रही है कि दोनों पक्ष क्षेत्र में चीन के बढ़ते सैन्य प्रभाव के मद्देनजर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को और आगे बढ़ाएंगे।

इस बीच, जापान के विदेश और रक्षा मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''तीसरी भारत-जापान 'टू प्लस टू' विदेश और रक्षा मंत्री स्तर की वार्ता से पहले जापान की विदेश मंत्री योको कामिकावा और रक्षा मंत्री किहारा मिनोरू से मिलकर प्रसन्नता हुई। भारत-जापान रक्षा और सुरक्षा संबंधों में हुई प्रगति का जायजा लिया।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में और उससे परे शांति, स्थिरता तथा समृद्धि को बढ़ावा देने में भारत-जापान साझेदारी की भूमिका को दोहराया।

वार्ता का पहला संस्करण 2019 में भारत में आयोजित किया गया था, जबकि दूसरा 2022 में जापान में हुआ था।

'टू प्लस टू' बैठक के अलावा, सिंह और जयशंकर मंगलवार को जापान के रक्षा मंत्री मिनोरू और विदेश मंत्री कामिकावा के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे।

राहुल ने की उबर की सवारी, गिग वर्कर्स के लिए न्याय का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस की राज्य सरकारें गिग वर्कर्स के लिए ठोस नीतियां बनाकर न्याय सुनिश्चित करेंगी तथा विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) संघर्ष के साथ इन नीतियों का देशव्यापी विस्तार सुनिश्चित करेगा। 'गिग वर्कर्स' उन श्रमिकों को कहा जाता है जिनका काम अस्थायी होता है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उबर कैब की सवारी का एक वीडियो सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया जिसमें वह वाहन चालक सुनील उपाध्याय से उनके अनुभव एवं परेशानियों के बारे में जानकारी लेते देखे जा सकते हैं।

राहुल गांधी ने कहा, 'आमदनी कम और महंगाई से निकलता दम - यह है भारत के गिग वर्कर्स की व्यथा। सुनील उपाध्याय जी के साथ एक उबर यात्रा के दौरान चर्चा में और फिर उनके परिवार से मिल कर देश के कैब ड्राइवर और डिलेवरी एजेंट जैसे गिग वर्कर्स की समस्याओं का जायज़ा लिया।'' उन्होंने कहा कि ''हैंड टू माउथ इनकम'' (किसी तरह गुजारे लायक आमदनी) में इनका गुज़ारा तंगी से चल रहा है तथा न कोई बचत होती है और न ही परिवार के भविष्य का कोई आधार है।

भारत ने मोदी की कीव यात्रा से पहले कहा

यूक्रेन संकट खत्म करने के लिए हर संभव सहायता देने को इच्छुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस सप्ताह कीव की करीब सात घंटे की यात्रा करने से पहले, भारत ने सोमवार को कहा कि वह रूस-यूक्रेन संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान तलाशने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने को इच्छुक है।

विदेश मंत्रालय ने मोदी की 23 अगस्त की यात्रा की घोषणा करते हुए कहा कि यह एक ''महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक'' यात्रा होगी, जो 30 साल पहले दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होने के बाद से किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यूक्रेन की पहली यात्रा होगी।

सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री पोलैंड से कीव तक ट्रेन से यात्रा करेंगे, जिसमें करीब 10 घंटे लगेंगे। वापसी की यात्रा भी लगभग इतनी ही अवधि की होगी।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन समेत विश्व के कई नेताओं ने भी यूक्रेनी सीमा के पास स्थित पोलिश रेलवे स्टेशन से ट्रेन द्वारा कीव की यात्रा की है।

यूक्रेन की यात्रा से पहले, मोदी 21 और 22 अगस्त को पोलैंड की दो दिवसीय यात्रा करेंगे।

प्रधानमंत्री की यूक्रेन यात्रा कीव द्वारा रूसी क्षेत्र में ताजा सैन्य आक्रमण के बीच हो रही है।

मोदी की कीव यात्रा मॉस्को की उनकी हाई-प्रोफाइल यात्रा के कुछ सप्ताह बाद हो रही है, जिसकी अमेरिका और उसके कुछ पश्चिमी सहयोगियों ने आलोचना की थी।

विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा, ''भारत के रूस और यूक्रेन दोनों के साथ मजबूत और स्वतंत्र संबंध हैं तथा ये साझेदारियां अपने-अपने बूते हैं।'' उन्होंने कहा कि यह यात्रा भारत और यूक्रेन के बीच निरंतर सहयोग को मजबूत करेगी।

लाल ने कहा, ''मैं यह कहना चाहूंगा कि इस यात्रा का उद्देश्य दूसरे के नुकसान से अपना फायदा पाना नहीं है। प्रधानमंत्री ने रूस की यात्रा भी की थी। कई विचारों पर चर्चा की गई थी।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री ने पिछले एक साल में कई मौकों पर राष्ट्रपति (वोलोदिमीर) जेलेंस्की से मुलाकात की है और अब वे फिर से यूक्रेन में मिलेंगे।'' उन्होंने कहा, ''मैं यह कहना चाहूंगा कि ये स्वतंत्र व्यापक संबंध हैं और जारी संघर्ष पर भी निश्चित रूप से चर्चा होगी।''

यूक्रेन संघर्ष के बारे में पूछे जाने पर लाल ने कहा, ''भारत इस जटिल मुद्दे का शांतिपूर्ण समाधान खोजने में मदद करने के लिए हर संभव सहायता और योगदान देने को तैयार है।''

साथ ही, उन्होंने मोदी और जेलेंस्की के बीच वार्ता के परिणाम का पूर्वानुमान जताने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, ''भारत ने यह बहुत स्पष्ट और सतत रुख अख्तियार किया है कि कूटनीति और संवाद से इस संघर्ष का समाधान निकल सकता है जिससे दीर्घकालिक शांति आ सकती है।''

लाल ने कहा, ''इसलिए बातचीत बहुत जरूरी है। स्थायी शांति केवल उन विकल्पों के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है जो दोनों पक्षों को स्वीकार्य हों और यह केवल बातचीत के माध्यम से ही संभव है।

प्रधानमंत्री मोदी 23 अगस्त को यूक्रेन की यात्रा पर जाएंगे

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कीव यात्रा से कुछ दिन पहले भारत ने सोमवार को कहा कि वह यूक्रेन संकट का शांतिपूर्ण समाधान तलाशने में योगदान देने को इच्छुक है।

मोदी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ वार्ता करने के लिए 23 अगस्त को यूक्रेन की राजधानी की यात्रा करेंगे।

विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि भारत हमेशा से यूक्रेन में संघर्ष को सुलझाने के लिए कूटनीति और वार्ता की हिमायत करता रहा है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में जारी संघर्ष पर भी चर्चा होगी।

लाल ने एक सवाल के जवाब में कहा कि भारत के रूस और यूक्रेन, दोनों देशों के साथ संबंध हैं। मोदी यूक्रेन की यात्रा से पहले पोलैंड जाएंगे।

रूस के कुर्स्क क्षेत्र में दाखिल होने का मकसद 'बफर जोन' बनाना : जेलेंस्की

कीव/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सैनिकों के दाखिल होने का मकसद वहां एक 'बफर जोन' बनाना है, ताकि मॉस्को को सीमा पार और हमले करने से रोका जा सके। जेलेंस्की ने कुर्स्क क्षेत्र में छह अगस्त को शुरू किए गए इस साहसिक अभियान की मंशा पहली बार स्पष्ट रूप से जाहिर की है। पहले उन्होंने कहा था कि अभियान का मकसद सीमावर्ती सुमी क्षेत्र में लोगों को रूस की ओर से लगातार जारी गोलाबारी से बचाना है। जेलेंस्की ने कहा, कुल मिलाकर अब रक्षात्मक अभियानों में हमारी प्राथमिकता जितना संभव हो, रूस की युद्ध क्षमता को नष्ट करना और अधिकतम जवाबी कार्रवाई करना है। इसमें कुर्स्क क्षेत्र में हमारा अभियान शामिल है, जिसका उद्देश्य आक्रमणकारी के क्षेत्र में एक 'बफर जोन' बनाना है। अधिकारियों के मुताबिक, यूक्रेन ने छह अगस्त को शुरू किए गए अभियान के तहत सीमा पार आक्रमण तेज करते हुए पिछले सप्ताहांत कुर्स्क क्षेत्र में एक प्रमुख पुल को ध्वस्त कर दिया था और उसके निकटवर्ती पुल पर हमला किया था, जिससे रूस को होने वाली आपूर्ति बाधित हुई थी। सैन्य मामलों के रूस समर्थक ब्लॉगर ने माना कि ग्लुशकोवो शहर के पास सीम नदी पर एक पुल के नष्ट होने से यूक्रेन के आक्रमण से निपटने के लिए रूसी सेना की आपूर्ति बाधित हुई थी।

भारत को 1,000 मेगावाट बिजली निर्यात करेगा नेपाल : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को नेपाल की विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा के साथ व्यापक वार्ता के बाद कहा कि नेपाल भारत को करीब 1,000 मेगावाट बिजली निर्यात करेगा।

जयशंकर ने भारत को बिजली निर्यात करने के नेपाल के फैसले को महत्वपूर्ण बताया। बातचीत में दोनों मंत्रियों ने व्यापार, संपर्क और बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित किया।

देउबा ने पदभार संभालने के बाद अपनी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा के तहत रविवार को भारत की पांच दिवसीय यात्रा शुरू की।

जयशंकर ने 'एक्स' पर कहा, ''ऊर्जा, व्यापार, संपर्क और बुनियादी ढांचे के विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारत-नेपाल सहयोग पर चर्चा हुई।'' उन्होंने कहा, यह जानकर खुशी हुई कि नेपाल भारत को करीब 1000 मेगावाट बिजली निर्यात करेगा, जो एक महत्वपूर्ण कदम है।''

जयशंकर ने कहा, ''हमारी 'पड़ोस प्रथम' नीति और लोगों के बीच विशिष्ट एवं सांस्कृतिक संपर्क हमारे संबंधों को आगे बढ़ाता है।''

देउबा ने वार्ता को ''सार्थक'' बताया। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, ''नई दिल्ली में एस जयशंकर के साथ सार्थक बैठक हुई। हमने द्विपक्षीय हितों, नेपाल-भारत संबंधों के विभिन्न पहलुओं और आपसी सहयोग पर चर्चा की।'' उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि यह यात्रा नेपाल तथा भारत के बीच सदियों पुराने संबंधों को और मजबूत करेगी।''

पार्क उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के सदाशिवनगर स्थित लो लेवल पार्क में भूताजी ग्रुप ऑफ कंपनीज द्वारा केस्केड कॉर्नर पार्क का संवर्धन किया गया जिसका उद्घाटन मल्लेश्वरम के विधायक एवं अश्वत्थनारायण एवं लाभार्थी पारसमल बागरेचा ने फीता काटकर किया। अश्वत्थनारायण ने वर्तमान समय में पर्यावरण की रक्षा की आवश्यकता बताने के साथ इस निर्माण के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सदाशिवनगर रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों के साथ जैन समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी व बागरेचा परिवार के सदस्यों की उपस्थिति रही।

रक्षाबंधन पर कषायों से आत्मा की रक्षा का संकल्प ले : संतश्री राजेशमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत स्थानक भवन में राजेशमुनिजी ने रक्षा बंधन के शुभ अवसर पर विशेष प्रवचन में कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति में ढेर सारे धार्मिक और लौकिक उत्सव हैं। हर उत्सव कोई ना कोई शुभ संदेश देता है। रक्षाबंधन हमें अपने कर्तव्य के पालन का संदेश देता है। हर भाई का कर्तव्य है कि वह बहन की रक्षा करें। यह भाई बहन का सबसे प्यारा उत्सव है। इसमें रक्षा के वचन के साथ सुंदर संस्कारों का, प्रेम का, स्वाभिमान का आदान प्रदान होता है। वर्तमान समय में महिलाओं को खतरा बाहर वालों से नहीं, निकटतम के लोगों से ही अधिक हो रहा है। हमें आत्म अवलोकन करना चाहिए कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। हमें कषायों से अपनी आत्मा की रक्षा के साथ, महिलाओं, अपनी संस्कृति, प्राणी मात्र की रक्षा का प्रण लेना चाहिए। पहले महिलाओं हेतु कोई पर्व नहीं होता था क्योंकि हर आंख में वात्सल्य, प्रेम, सद्भावना भरी रहती थी। आज उसका स्थान वासना, शत्रुता और दुर्भावना ने ले लिया और नारी असुरक्षित महसूस करने लगी है।

रक्षाबंधन पर देवीधुरा में खेली गयी पारंपरिक 'बग्वाल'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंपावत/भाषा। रक्षाबंधन के पर्व पर सोमवार को उत्तराखंड के चंपावत जिले में देवीधुरा स्थित मां बाराही धाम के प्रागंण में पारंपरिक 'बग्वाल' (भक्तों के गुटों के बीच युद्ध) खेली गयी ।

हालांकि, बारिश और धुंध के बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की मौजूदगी में हुई 'बग्वाल' में एक गुट ने हंगामा कर दिया । यह पहला मौका है जब 'बग्वाल' दो बार खेली गयी। अधिकारियों ने यहां बताया कि 13 मिनट चली 'बग्वाल' के दौरान 20 श्रद्धालुओं सहित 125 लोग चोटिल भी हो गए । रहस्य, रोमांच, शौर्य और साहस की प्रतीक इस 'बग्वाल' के जरिए मां बाराही को प्रसन्न करने की परंपरा पुराने समय से चली आ रही है । माना जाता है कि इस क्षेत्र में आसुरी शक्तियां लगातार मानव वध कर महाविनाश कर रही थी जिसे रोकने के लिए वालिग,लमगडिया, गहड़वाल और चमियाल खामों या गुटों ने मां बाराही की शरण ली और उनके धाम देवीधुरा के प्रांगण में पत्थर युद्ध के जरिए एक मानव जितना रक्त अर्पित कर मां को प्रसन्न किया। यह परंपरा प्राचीन समय से अनवरत जारी है लेकिन समय के साथ अब इसमें बदलाव कर पत्थरों की जगह फल और फूलों का प्रयोग किया जाता है । हालांकि, फूलों और फलों के साथ 'बग्वाल' में पत्थर भी चले जिससे लोग चोटिल हो गए । पूजा के बाद दोपहर 2:05 पर 'बग्वाल' शुरू हुई जो 11 मिनट चली । इसके बाद एक गुट के लोगों ने इस बात पर नाराजगी जताई कि उनकी भागीदारी के बिना 'बग्वाल' कैसे संपन्न हुई । इस पर दो मिनट और 'बग्वाल' खेली गयी । इससे पहले, मुख्यमंत्री ने मां बाराही मंदिर में घंटी चढ़ाई तथा राज्य की खुशहाली एवं तरक्की की कामना की।

चिंतामणि पार्श्वनाथ मंदिर में हुआ विशेष महाअभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मीलेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में श्रावण सुद पूर्णिमा के अवसर पर परमात्मा का सिद्धसेनदिवाकरसूरीश्वरजी द्वारा रचित कल्याण मंदिर महास्तोत्र से चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री नयदर्शाश्रीजी व ज्ञेयदर्शाश्रीजी के सान्निध्य में महाअभिषेक किया गया। शखंनाद, घटंनाद और विविध वाद्य यंत्रों द्वारा संगीतमय वातावरण में दिव्यरत्न जड़ित सुवर्ण औषधियों से प्रतिमाओं का अभिषेक हुआ। विधि विधान धनंजय गुरुजी ने करवाया तथा महिलाओं द्वारा पंच कल्याणक पूजा कराई गई। पूर्णिमा के उपलक्ष्य में परमात्मा की विशेष अंगरचना की गई। अभिषेक के लाभार्थी नवकार महामंत्र के सभी तपस्वी रहे।

'संयम जीवन के विशुद्ध धारक थे गुरुदेव राजेन्द्रसूरीश्वरजी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ चिकपेट के तत्वावधान में वीवी पुरम स्थित संभवनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मणिप्रभाश्रीजी की निश्रा में गच्छाधिपति आचार्यश्री जयानंदसूरीश्वरजी की प्रेरणा से शहर में प्रथम बार अभियान राजेन्द्र कोष निर्माता आचार्यश्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी महाराज के जीवन प्रसंग 'विरल विभूति की जीवन यात्रा', 'रत्नराज से राजेंद्रसूरी', 'भरतपुर से मोहनखेड़ा' का अद्भुत यात्रा का आयोजन किया गया। सूरत से आए निमेशभाई सवानी ने गुरुदेव के जीवन यात्रा का परिचय दिया।

अक्षत संघवी ने संगीत के माध्यम से गुरु गीतों की प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि गुरुदेवश्री किसी भी विकट परिस्थितियों में कभी भी विचलित न हुए और न ही संयम जीवन से समझौता किया। गुरुदेव विशुद्ध संयमी के साथ साथ अनेक प्रकार की विद्याओं के भी पारगामी थे। उन्होंने अपने जीवन मे एक ही समय एक ही मुहूर्त में आहोर नगर में 900 जिनबिम्बों तो भीनमाल नगर में भी अनेक जिनबिम्बों की अंजनशलाका करवायी थी। इसके अतिरिक्त भी वे जैसे इच्छामृत्यु के धारक थे। उन्होंने अपने जीवन में सवा करोड़ से भी ज्यादा बार श्री नमस्कार महामंत्र का जाप किया था। गुरुदेव के जीवन के बारे में जितना बोला जाए उतना कम है क्योंकि वो विरल विभूति अनेकों में एक थे।

इंदौर में भगवान गणेश को अर्पित की गई ''दुनिया की सबसे बड़ी राखी''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। इंदौर में भगवान गणेश के भक्तों की एक संस्था ने अपने इष्ट देव को रक्षाबंधन पर सोमवार को 169 वर्ग फुट की राखी अर्पित की। संस्था का दावा है कि यह पर्यावरण बचाने की थीम पर बनाई गई दुनिया की सबसे बड़ी राखी है।

''श्री विघ्नहर्ता गणेश भक्त समिति'' के सचिव राहुल शर्मा ने ''पीटीआई-भाषा'' को बताया कि रक्षाबंधन के दिन शुभ मुहूर्त पर शहर के खजराना गणेश मंदिर में भगवान को यह राखी अर्पित की गई। उन्होंने इसे पर्यावरण बचाने की थीम पर बनाई गई दुनिया की सबसे बड़ी राखी बताया। शर्मा ने बताया कि 13 गुणा 13 फुट की राखी की डोर 101 मीटर लम्बी है जिसे पूरे मंदिर परिसर पर बांधा गया है। उन्होंने बताया कि राखी का वजन 125 किलोग्राम है और इसे 15 कलाकारों ने पखवाड़े भर में तैयार किया है। राखी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में विश्व पर्यावरण दिवस पर पांच जून से शुरू किए गए ''एक पेड़ मां के नाम'' पौधारोपण अभियान का नाम भी लिखा गया है। शर्मा ने कहा,''हमने भगवान गणेश को यह राखी अर्पित करते समय उनसे प्रार्थना की कि वह वैश्विक तापमान में वृद्धि और जलवायु परिवर्तन के खतरों से पृथ्वी की रक्षा करें। यह राखी बनाने के पीछे हमारा मकसद आम लोगों को पर्यावरण बचाने के लिए जागरूक करना है।

पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण के लक्ष्य के लिए अधिक गन्ने की जरूरत : रिपोर्ट

मुंबई/भाषा। एथनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2025 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत मिश्रण के सरकार के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अधिक गन्ने के उपयोग की आवश्यकता होगी। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इससे चीनी भंडार स्तर और मिल मालिकों के नकदी प्रवाह में भी सुधार होने की संभावना है। ईएसवाई नवंबर से अक्टूबर महीने तक चलता है। क्रिसिल रेटिंग्स ने एक रिपोर्ट में कहा कि भारत को ईएसवाई 2025 तक पेट्रोल में 20% एथनॉल मिलाने का लक्ष्य-या सालाना 990 करोड़ लीटर-के लिए इसकी आपूर्ति बढ़ाने को अनाज-गन्ने दोनों के फीडस्टॉक के प्रभावी उपयोग की आवश्यकता होगी। इसमें कहा गया है कि अगले सत्र तक अनाज से वार्षिक एथनॉल उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होकर इसके 600 करोड़ लीटर तक पहुंचने की उम्मीद है (इस सत्र का उत्पादन अनुमान 380 करोड़ लीटर है)। क्रिसिल रेटिंग्स ने कहा कि शेष मात्रा का उत्पादन गन्ने से एथनॉल के प्रसंस्करण द्वारा करना होगा, जो पर्याप्त क्षमता को देखते हुए व्यावहारिक है।

सीतारमण ने सरकारी बैंकों के प्रमुखों के साथ बैठक में जमा वृद्धि के लिए कदम उठाने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के प्रमुखों के साथ प्रदर्शन समीक्षा बैठक की और उनसे जमा वृद्धि में सुधार लाने को कहा।

पिछले कुछ महीनों में ऋण वृद्धि जमा वृद्धि की तुलना में 3-4 प्रतिशत कम रही है, जिससे बैंकों के लिए परिसंपत्ति-देयता का असंतुलन पैदा हो गया है। सूत्रों के अनुसार, वित्त मंत्री ने बैंकों के वित्तीय प्रदर्शन के साथ ही पीएम आवास योजना, पीएम सूर्य घर और पीएम विश्वकर्मा योजना सहित सरकार की विभिन्न प्रमुख योजनाओं के कार्यान्वयन में हुई प्रगति की समीक्षा की। सूत्रों ने यह भी बताया कि सीतारमण ने जमा वृद्धि, ऋण-जमा अनुपात (सीडी अनुपात) और परिसंपत्ति गुणवत्ता का भी जायजा लिया। वित्त मंत्री ने बैंकों के प्रमुखों से मुख्य बैंकिंग कारोबार पर ध्यान केंद्रित करने और नवोन्मेषी उत्पादों को पेश करके जमा वृद्धि की गति बढ़ाने को कहा। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि जमा और कर्ज वृद्धि के बीच असंतुलन है। उन्होंने कहा, ''कर्ज देने में वृद्धि अधिक है... मैं विभिन्न कारणों से (19 अगस्त को) बैंकों से मिलूंगी और उनसे जमा संग्रह के महत्व के बारे में बात करूंगी।'' सीतारमण ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को ब्याज दर के मामले में स्वतंत्रता दी है, और इस आजादी का इस्तेमाल करके उन्हें जमा को अधिक आकर्षक बनाना चाहिए। सूत्रों ने कहा कि बैठक के दौरान साइबर सुरक्षा और वित्तीय क्षेत्र के जोखिमों से संबंधित चिंताओं पर भी चर्चा की गई।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

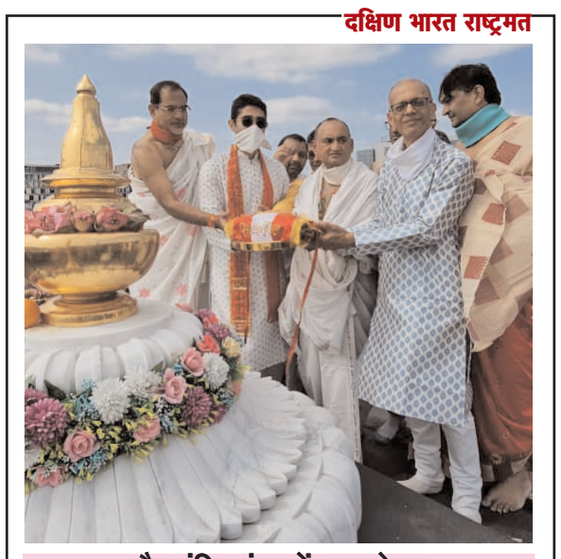

जैन मंदिर लंदन में ध्वजारोहण

सेन्ट्रल लंदन कोलिन्डाले में गत वर्ष 2023 अगस्त में प्रतिष्ठित हुए शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन मंदिर में प्रथम वर्षगांठ मनाई गई तथा ध्वजारोहण किया गया। इस वर्ष के लिए मूलनायक शंखेश्वर की ध्वजा का लाभ बेंगलूरु निवासी दिलीप-आनंद सुराणा, मुनिसुव्रत स्वामी भगवान की ध्वजा का लाभ दिलीप-आनंद सुराणा व इन्दरचन्द रमेशचन्द मंगलचन्द बोहरा परिवार तथा महावीर स्वामी की ध्वजा का लाभ अजयभाई शाह परिवार ने लिया। इन सभी लाभार्थियों ने मंदिर के शिखर पर पूरे विधि विधान से वार्षिक ध्वजारोहण किया।

ग्रामीण खपत सुधरने से समग्र मांग में आ रही तेजी: आरबीआई लेख

मुंबई/भाषा। ग्रामीण खपत में सुधार के साथ समग्र मांग की स्थिति बेहतर हो रही है और इससे निजी क्षेत्र के निवेश के दोबारा रफ्तार पकड़ने की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक के नवीनतम बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख में यह बात कही गई है। आरबीआई बुलेटिन में प्रकाशित लेख के मुताबिक, लगातार भू-राजनीतिक तनाव, प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में मंदी की आशंकाओं के दोबारा पैदा होने और मौद्रिक नीति बदलाव के चलते वित्तीय बाजार में अस्थिरता ने वैश्विक आर्थिक संभावनाओं को प्रभावित किया है। विभिन्न देशों में मुद्रास्फीति के अपेक्षा-अनुरूप कम न होने से ऐसा हुआ है। रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर पात्रा के नेतृत्व वाली एक टीम ने 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' शीर्षक वाला यह लेख लिखा है। आरबीआई ने कहा कि लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और रिजर्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

'ग्रेट निकोबार' परियोजना में कई अनियमितताएं: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को एक खबर का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि 'ग्रेट निकोबार' अवसंरचना परियोजना में ''अनियमितताएं'' देखी गई हैं।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने अंग्रेजी दैनिक 'इंडियन एक्सप्रेस' की एक रिपोर्ट 'एक्स' पर पोस्ट की जिसमें कहा गया कि 'ग्रेट निकोबार' द्वीप के निवासियों ने सामाजिक प्रभाव आकलन रिपोर्ट के बाद उचित और व्यापक मुआवजा पैकेज की मांग उठाई है। ये स्थानीय लोग ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण से प्रभावित हुए हैं। प्रस्तावित हवाई अड्डा 72,000 करोड़ रुपए की 'ग्रेट निकोबार' अवसंरचना परियोजना का हिस्सा है। पूर्व पर्यावरण मंत्री रमेश ने रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भूमि अधिग्रहण से पहले किए गए सामाजिक प्रभाव आकलन में कई कमियां हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक प्रभाव आकलन द्वीप के तनावपूर्ण जल संसाधनों पर अधिक आबादी और पर्यटकों के बोझ के प्रभाव का समाधान करने में विफल रहा है।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि यह उन कम से कम 263 परिवारों पर विस्थापन के आर्थिक और सामाजिक प्रभावों को पर्याप्त रूप से नहीं दर्शाता है, जिनमें से ज्यादातर पूर्व सैनिकों के वंशज हैं तथा कई पीढ़ियों से द्वीप पर रह रहे हैं। रमेश ने आरोप लगाया, ''यह स्पष्ट होता जा रहा है कि इस परियोजना के हर आयाम में अनियमितताएं और कदाचार देखा गया है।''

अगर मुख्यमंत्री कहते हैं कि मैं मराठा आरक्षण में बाधा डाल रहा हूं तो राजनीति छोड़ दूंगा: फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे के आरोपों का खंडन किया और कहा कि अगर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे यह दावा करते हैं कि ''मैं मराठा समुदाय को आरक्षण देने की प्रक्रिया में बाधा डाल रहा हूं तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा।'' जरांगे वरिष्ठ भाजपा नेता के कटु आलोचक हैं और उन पर मराठा समुदाय के आरक्षण की मांग में मुख्य बाधा बनने का आरोप लगाते रहे हैं। फडणवीस ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि उन्हें पता है कि जरांगे का उनसे ''विशेष स्नेह'' है। फडणवीस ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''यदि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे यह दावा करते हैं कि मेरी उपस्थिति मराठा आरक्षण के संबंध में निर्णय लेने में बाधा उत्पन्न करती है, तो मैं अपना इस्तीफा दे दूंगा और राजनीति छोड़ दूंगा।'' उन्होंने कहा, ''हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि मुख्यमंत्री राज्य का मुखिया होता है और सभी निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार होता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व संस्कृत दिवस की शुभकामनाएं दीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विश्व संस्कृत दिवस के मौके पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और इस प्राचीन भाषा को बढ़ावा देने के लिए प्रयास कर रहे लोगों की सराहना की। उन्होंने संस्कृत भाषा में 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''विश्व संस्कृत दिवस की शुभकामनाएं। मैं उन लोगों को हृदय से बधाई देता हूं जो संस्कृत से प्यार करते हैं और इस महान भाषा को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे हैं।'' विश्व संस्कृत दिवस प्रत्येक वर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। प्रतिष्ठित संस्कृत विद्वान और व्याकरणविद् पाणिनि की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि के तौर पर यह दिन मनाया जाता है। यह दिन संस्कृत भाषा के प्रति कृतज्ञता और सम्मान प्रकट करने के लिये मनाया जाता है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री साय ने महाकालेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की, यादव से मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उज्जैन (मध्य प्रदेश)/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को महाकालेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की और मध्य प्रदेश के अपने समकक्ष मोहन यादव से मुलाकात की। साय अपनी पत्नी के साथ भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। उन्होंने सर्किट हाउस में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से भी मुलाकात की। यह मुलाकात 20 मिनट तक चली।

साय ने कहा कि सोमवार को रक्षाबंधन के साथ ही पवित्र श्रावण मास का अंतिम दिन है, इसलिए वह मंदिर में पूजा-अर्चना करने उज्जैन आए हैं। साय ने कहा कि उन्होंने छत्तीसगढ़ में शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री से पत्रकारों ने बांग्लादेश में अशांति के बीच फंसी छत्तीसगढ़ की महिलाओं के बारे में पूछा गया। उन्होंने कहा, हमारी सरकार हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। जहां भी हमारी बहनें, बेटियां और छत्तीसगढ़ के लोग मुसीबत में हैं, सरकार हर तरह से उनका साथ देती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
FLATS FOR SALE
DNR HIGHLINE
@ OKALIPURAM
near LULU Mall
Rajajinagar
Centre of the City
3 & 4 Bedroom
FLATS with 7 Star
Luxurious Amenities
Only Few Flats
available for Sale
Contact : 9844027560

सेबी ने कहा, 76,293 करोड़ रुपए बकाया राशि की वसूली 'मुश्किल'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने 76,293 करोड़ रुपए बकाया राशि की वसूली को 'मुश्किल' की श्रेणी में रखा है। यह पिछले साल की तुलना में 4% अधिक है। इसमें से एक बड़ा हिस्सा अदालत के आदेश से नियुक्त समितियों के समक्ष लंबित मामलों के कारण है। बकाया राशि की वसूली कठिन है। यह ऐसी राशि है, जिनकी वसूली पुनरुद्धार के सभी उपायों को लागू करने के बाद भी नहीं हो पाई है। सेबी ने 2023 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा, ''वसूली में मुश्किल (डीटीआर) बकाया को अलग करना पूरी तरह से एक प्रशासनिक कार्य है। यह अधिकारियों को डीटीआर के रूप में अलग की गई राशि की वसूलने से नहीं रोकेगा...।''

रिपोर्ट के अनुसार, 31 मार्च, 2024 तक सेबी ने डीटीआर के रूप में 807 मामलों की पहचान की। इनपर कुल बकाया 76,293 करोड़ रुपए था। वहीं पिछले साल 73,287 करोड़ रुपए के 692 मामले थे। इन 807 मामलों में से 36 मामले राज्य की अदालतों, राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण, राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण में चल रही कार्यवाही के कारण लंबित हैं। इन मामलों 12,199 करोड़ रुपए की राशि शामिल हैं। इसके अलावा, 60 मामले अदालत द्वारा गठित समितियों के समक्ष हैं, जिनमें 59,970 करोड़ रुपए शामिल हैं। इन दोनों श्रेणियां में अभी तक वसूल की जाने वाली कुल राशि का 95% हिस्सा है। सेबी कार्यवाही की पारदर्शिता बढ़ाने के लिए सालाना रिपोर्ट के माध्यम से 2021-22 के बाद से बकाया राशि वसूली के मुश्किल मामलों को लेकर आंकड़े जारी कर रहा है।

भाजपा के साथ गोपनीय संबंधों की कोई जरूरत नहीं : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सोमवार को कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के साथ गोपनीय संबंध रखने की कोई आवश्यकता नहीं है।

स्टालिन ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि द्रमुक ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को अपने दिवंगत नेता एम करुणानिधि की जन्म शताब्दी के अवसर पर एक स्मारक सिक्का जारी करने के लिए आमंत्रित किया था, यह कहना बिल्कुल गलत है कि द्रमुक और भाजपा के बीच गोपनीय संबंध हैं। द्रमुक के अध्यक्ष स्टालिन ने कहा कि पार्टी अपने सिद्धांतों पर दृढ़ता से अडिग है और ''विरोध करना है या समर्थन देना है'' इस पर उसका रुख द्रमुक की विचारधारा पर आधारित है।

इससे एक दिन पहले, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के पूर्व अध्यक्ष एवं तमिलनाडु के पांच बार के मुख्यमंत्री रहे एम करुणानिधि की 100वीं पुण्यतिथि पर 100 रुपये का एक स्मारक सिक्का जारी किया और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री की प्रशंसा करते हुए उन्हें भारतीय राजनीति का एक ''महापुरुष'' बताया। सिंह ने करुणानिधि के पुत्र एवं मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन की उपस्थिति में सिक्का जारी किया। सिंह ने कहा, ''करुणानिधि हमारे देश के सबसे सम्मानित नेताओं में से एक हैं। एक ऐसे व्यक्ति जिनका प्रभाव तमिलनाडु की सीमाओं से कहीं आगे तक फैला हुआ था। करुणानिधि भारतीय राजनीति के एक दिग्गज, एक सांस्कृतिक स्तंभ और सामाजिक न्याय के एक अथक समर्थक थे।''

स्टालिन ने यहां द्रमुक के विधायक के पी शंकर के बेटे दिलीप की शादी के अवसर पर कहा, केवल इसलिए कि हमने केंद्रीय मंत्री को आमंत्रित किया, ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि हमारे भाजपा के साथ गोपनीय संबंध हैं। हमें (द्रमुक) भाजपा के साथ गोपनीय समझौता करने की कोई जरूरत नहीं है। स्टालिन ने याद दिलाया कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने एक बार कहा था कि द्रमुक और उसके नेता एम. करुणानिधि का किसी भी मुद्दे पर विरोध या समर्थन विचारधारा पर आधारित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह कलैगनार (करुणानिधि को प्यार से इसी नाम से पुकारा जाता है) की सिंह द्वारा की गई प्रशंसा से बेहद आश्चर्यचकित और अभिभूत हैं। स्टालिन ने कहा, मैं इतना खुश था कि कल रात सो नहीं सका क्योंकि श्री राजनाथ सिंह की कलैगनार के बारे में ईमानदार टिप्पणी सीधे उनके दिल से निकली थी।

एन. मुरुगानंदम तमिलनाडु के नए मुख्य सचिव नियुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने सोमवार को एन. मुरुगानंदम को राज्य का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है। उन्होंने शिव दास मीना का स्थान लिया है।

इस वर्ष अक्तूबर में सेवानिवृत्त होने जा रहे मीना को तमिलनाडु रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण में अध्यक्ष के तौर पर स्थानांतरित किया गया है। वरिष्ठ नौकरशाह मुरुगानंदम उद्योग और वित्त विभागों में सचिव के पद पर कार्य कर चुके हैं। फिलहाल वह मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव, सचिव-प्रथम के पद पर थे।

जोयालुक्कास डायमंड ज्वेलरी शो 1 सितंबर तक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। आभूषणों के लिए विश्व प्रसिद्ध जोयालुक्कास डायमंड ज्वेलरी प्रदर्शनी सह बिक्री का आयोजन कर रही है कोयंबटूर स्थित शोरूम में यह प्रदर्शनी इस महीने के अंत तक चलेगी।

यह प्रदर्शनी ऐसे ग्राहकों के लिए है जो आभूषणों के आकर्षण को पसंद करते है। अपनी बेहतर शिल्प कौशल और उत्कृष्ट डिजाइनों के लिए विश्व स्तर पर प्रसिद्ध जोयालुक्कास ने इस शानदार शो में अपने विशेष सोने एवम हीरे के आभूषण संग्रह को प्रदर्शित किया है जिनमें से प्रत्येक आभूषणों को बहुत ही सुंदरता और नवीनता के साथ सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है।

जोयालुक्कास के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक जॉय अलुक्कास ने कहा, इस साल का डायमंड ज्वैलरी शो उत्कृष्टता और शिल्प कौशल के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

हम एक ऐसा संग्रह प्रस्तुत करने के लिए उत्साहित हैं जो न केवल अद्वितीय है बल्कि डिजाइन और गुणवत्ता के उच्चतम मानकों का प्रतिनिधित्व करता है।

सिरो-मालाबार चर्च ने मुल्लापेरियार में नए बांध बनाने का आग्रह किया, केंद्र से हस्तक्षेप की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इडुक्की। सिरो-मालाबार कैथलिक चर्च के इडुक्की धर्मक्षेत्र ने मुल्लापेरियार बांध की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है और एक नए बांध के निर्माण में केंद्र सरकार से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है।

वायनाड भूस्खलन त्रासदी ने केरल के लोगों के मन में डर पैदा कर दिया है कि अगर करीब 130 साल पुराना बांध ढह गया तो इससे भी बड़ी त्रासदी हो सकती है। ऐसे में मुल्लापेरियार बांध की सुरक्षा को लेकर विभिन्न वर्गों ने चिंता जाहिर की है और इस बीच ही चर्च का यह बयान आया है। हालांकि, यह बांध वायनाड से दूर एक अलग पहाड़ी जिले में है।

रविवार को जारी एक बयान में चर्च ने कहा कि केरल के लोगों के मन में अब मुल्लापेरियार बांध के कारण डर पैदा हो गया है।

चर्च ने कहा, यहां के लोगों को यह मानने के लिए मजबूर किया जा रहा है कि 50-60 साल की मियाद वाला बांध 130 साल बाद भी सुरक्षित है। 1886 का मुल्लापेरियार पट्टा समझौता धोखाधड़ी और छल की कहानी बयां करता है।

हालांकि, आज सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा इस पुराने बांध की जगह नया बांध बनाना है।

धार्मिक प्रांत के मीडिया आयोग के निदेशक फादर जिन्स करकत ने कहा कि आधिकारिक सूत्रों ने बताया है कि बांध पुराना हो चुका है और सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र की 2011 की रिपोर्ट में कहा गया था कि मौजूदा बांध पुराना हो चुका है इसलिए नया बांध बनाया जाना चाहिए। हम नहीं समझ पा रहे हैं कि नेता और अधिकारी क्या चाहते हैं? वे लोगों को यह कहकर बरगला रहे हैं कि उन्हें चिंता नहीं करनी चाहिए और बांध के असुरक्षित होने को लेकर अफवाहें नहीं फैलानी चाहिए।

चर्च ने कहा कि चूंकि यह दो राज्यों के बीच का मामला है, इसलिए केंद्र सरकार को इसमें हस्तक्षेप कर इस मुद्दे को सुलझाना चाहिए। मुल्लापेरियार बांध का निर्माण 1895 में किया गया था।

पूर्व सेना प्रमुख जनरल सुंदरराजन पद्मनाभन का चेन्नई में निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पूर्व सेना प्रमुख जनरल सुंदरराजन पद्मनाभन का चेन्नई में निधन हो गया। वह 83 साल के थे। उनके एक करीबी सूत्र ने सोमवार को यह जानकारी दी। जनरल पद्मनाभन को सैन्य हलकों में प्यार से 'पैडी' के नाम से जाना जाता था। उन्होंने 30 सितंबर 2000 से 31 दिसंबर 2002 तक थल सेनाध्यक्ष के रूप में सेवाएं दी थीं।

जनरल पद्मनाभन के परिवार में उनकी पत्नी, बेटी और एक बेटा है। उनके बेटे आज रात तक अमेरिका से आ जाएंगे। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार शाम को होगा। जनरल पद्मनाभन को 15 कोर कमांडर के रूप में उनकी सेवाओं के लिए अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम) से सम्मानित किया गया था।

दिल्ली में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज (एनडीसी) में शामिल होने से पहले जनरल पद्मनाभन ने एक स्वतंत्र तोपखाना ब्रिगेड और एक माउंटेन ब्रिगेड' की कमान संभाली थी। पांच दिसंबर, 1940 को केरल के तिरुवनंतपुरम में जन्मे जनरल पद्मनाभन देहरादून स्थित प्रतिष्ठित राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज (आरआईएमसी) और पुणे के खडकवासला स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के पूर्व छात्र थे। दिसंबर 1959 में भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) से स्नातक होने के बाद उन्हें 'आर्टिलरी रेजिमेंट' में नियुक्त किया गया था।

यहां एक रक्षा विज्ञप्ति में कहा गया है कि जनरल पद्मनाभन ने अपने शानदार करियर में कई प्रतिष्ठित पद संभाले और कई बड़े अभियानों में हिस्सा लिया। उन्होंने वर्ष 193 में वेलिंगटन स्थित 'डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज' (डीएसएससी) से स्नातक किया।

जनरल पद्मनाभन ने अगस्त 1975 से जुलाई 1976 तक एक स्वतंत्र लाइट बैटरी' की कमान संभाली और फिर सितंबर 1977 से मार्च 1980 तक 'गजाला माउंटेन रेजिमेंट' का नेतृत्व किया। यह पर्वतीय रेजिमेंट भारतीय सेना की सबसे पुरानी तोपखाना रेजिमेंट में से एक है और इसने कई युद्ध में हिस्सा लिया है। जनरल पद्मनाभन ने सितंबर 1992 से जून 1993 तक '3 कोर के चीफ ऑफ स्टाफ' के रूप में कार्य किया। लेफ्टिनेंट जनरल के रूप में पदोन्नति के बाद वह जुलाई 1993 से फरवरी 1995 तक कश्मीर घाटी में 15 कोर के कमांडर थे। 15 कोर के कमांडर के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान सेना ने कश्मीर में आतंकवादियों पर बड़ी बढ़त हासिल की।

जनरल पद्मनाभन 43 वर्ष से अधिक की विशिष्ट सैन्य सेवा के बाद 31 दिसंबर 2002 को सेवानिवृत्त हो गए। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्हें पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल एस पद्मनाभन के निधन से गहरा दुख हुआ है।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हमारे देश की सुरक्षा के प्रति उनके अनुकरणीय नेतृत्व और अटूट समर्पण को हमेशा याद किया जाएगा।''

परिक्रमा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुवन्नमलै जिले स्थित श्री अरूणाचलेश्वर शिवमंदिर में भगवान शिव व मां पार्वती की पौराणिक कथा है कि यहां भगवान शिव अग्नि के रूप में प्रकट हुए है। यहां हरेक माह पूर्णिमा के दिन लाखों की संख्या में श्री अरूणाचलेश्वर शिवलिंग पर्वत का परिक्रमा करते हैं। आज 19 अगस्त पूर्णिमा को लेकर पर्वत का परिक्रमा करते श्रद्धालु गण।

विजयन ने बैंकों से वायनाड में भूस्खलन में मरने वालों और प्रभावितों का कर्ज माफ करने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने सोमवार को विभिन्न बैंकों से केरल के वायनाड में भूस्खलन में मरने वालों और प्रभावित लोगों के ऋण माफ करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ऋण माफ करने से बैंकों पर कोई असहनीय बोझ नहीं पड़ेगा, इसलिए इसे पूरी तरह से माफ कर दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यहां राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि ब्याज राशि में छूट या मासिक किस्तों को जमा करने के लिए समय बढ़ाने से भूस्खलन प्रभावित लोगों की समस्या हल नहीं होगी। उन्होंने कहा कि ऋण लेने वाले कई लोगों की मौत हो चुकी है और आपदा के बाद उनकी जमीन अनुपयोगी हो गई है।

विजयन ने कहा, हम बस यही कर सकते हैं कि इन प्रभावित क्षेत्रों में लोगों द्वारा लिए गए पूरे ऋण को माफ कर दें। उन्होंने बैंकों द्वारा प्रभावित लोगों से मासिक किस्तें लेने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और एसएलबीसी से इस संबंध में अनुकूल निर्णय लेने का आग्रह किया।

केरल ग्रामीण बैंक के तीखे विरोध के बीच विजयन ने यह टिप्पणी की है। बैंक ने वायनाड में भूस्खलन प्रभावित लोगों में से एक के खाते से कथित तौर पर मासिक किस्त के रूप में 15,000 रुपये काटे हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों ने सोमवार को कलपेट्टा में बैंक की शाखा के सामने विरोध प्रदर्शन किया। 30 जुलाई को वायनाड के मुंडक्कई और चूरालामाला क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ था, जिससे दोनों क्षेत्र लगभग तबाह हो गए, 200 से अधिक लोग मारे गए और कई घायल हो गए।

मलयालम फिल्म उद्योग में महिला कलाकारों को उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। न्यायमूर्ति हेमा समिति की सोमवार को सामने आई रिपोर्ट में मलयालम फिल्म उद्योग में महिलाओं द्वारा सामना किए जाने वाले यौन उत्पीड़न पर प्रकाश डाला गया है, जिसमें कई महिलाओं ने आरोप लगाया है कि काम शुरू करने से पहले ही उन पर अवांछित समझौता करने के लिए जोर दिया गया। रिपोर्ट में इस मुद्दे पर गहराई से प्रकाश डाला गया है, जिससे मलयालम फिल्म उद्योग में महिला पेशेवरों की सुरक्षा और कल्याण के बारे में चिंता उत्पन्न हो गई हैं।

सरकार ने 2019 में न्यायमूर्ति हेमा समिति का गठन किया था। समिति ने मलयालम फिल्म उद्योग में महिलाओं द्वारा सामना किए जाने वाले मुद्दों का अध्ययन किया। इस रिपोर्ट में महिलाओं के यौन उत्पीड़न, शोषण और दुर्व्यवहार के महत्वपूर्ण विवरण को उजागर किया गया है। सरकार को सौंपे जाने के पांच साल बाद रिपोर्ट की प्रति आरटीआई अधिनियम के तहत मीडिया को दी गई। चौंकाने वाले खुलासों की एक श्रृंखला में, रिपोर्ट में कहा गया है कि महिला कलाकारों को उत्पीड़न का सामना करना पड़ा, जिसमें फिल्म उद्योग में नशे में धुत व्यक्तियों द्वारा उनके कमरों के दरवाजे खटखटाने की घटनाएं भी शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि यौन उत्पीड़न की शिकार कई महिलाएं डर के कारण पुलिस में शिकायत करने से कतराती हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, जो महिला कलाकार समझौता करने के लिए तैयार होती हैं, उन्हें कोड नाम दे दिए जाते हैं और जो समझौता करने के लिए तैयार नहीं होतीं, उन्हें काम नहीं दिया जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है, सिनेमा में अभिनय या कोई अन्य काम करने का प्रस्ताव महिलाओं को यौन संबंधों की मांग के साथ दिया जाता है। जैसा कि मैंने पहले ही बताया है, महिलाओं से समझौता करने के लिए कहा जाता है, जिसके तहत उनसे यौन संबंध बनाने की मांग की जाती है।

केरल उच्च न्यायालय के पूर्व कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय के पूर्व कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी. पी. मोहन कुमार का रविवार को आयु संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया। वह 84 साल के थे। उनके परिवार के सूत्रों ने यह जानकारी दी। न्यायमूर्ति मोहन कुमार साल 2002 में केरल उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। इसके बाद उन्हें राज्य मानवाधिकार आयोग का सदस्य नियुक्त किया गया था।वह 1994 से 2001 तक कर्नाटक उच्च न्यायालय में न्यायाधीश रहे थे।

न्यायमूर्ति मोहन कुमार के परिवार में उनकी पत्नी ओमाना मोहनकुमार, बेटी डॉ. संगीता और बेटा जयेश मोहनकुमार हैं। उनका बेटा भी पेशे से वकील है। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने पूर्व कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि न्यायमूर्ति मोहन कुमार आम लोगों को न्याय दिलाने के लिए अपने फैसलों को लेकर जाने जाते थे। विजयन ने कहा, ''उनके प्रमुख फैसलों में स्कूल बैग का वजन कम करने के आदेश शामिल हैं।'' परिवार के सूत्रों ने बताया कि न्यायमूर्ति मोहन कुमार का सोमवार को कोच्चि में अंतिम संस्कार किया जाएगा।

पुडुचेरी के सरकारी मेडिकल कॉलेज के छात्रों ने कोलकाता की घटना की निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। पुडुचेरी में सरकारी इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान के छात्र संघ ने नौ अगस्त को कोलकाता में एक प्रशिक्षु चिकित्सक से कथित बलात्कार और हत्या के मामले की सोमवार को निंदा की।

छात्रसंघ ने एक विज्ञप्ति में कोलकाता में सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में हुई भयावह घटना को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि छात्रसंघ मेडिकल छात्रों और चिकित्सकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय सुरक्षा अधिनियम के तत्काल कार्यान्वयन की मांग करता है।

रक्षाबंधन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के साहुकारपेट के वार्ड नं. 57 से द्रमुक के पार्षद राजेश जैन 'रंगीला ने अपने परिवार और मंत्री पीके शेखरबाबू के साथ तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से उनके कार्यालय में मुलाकात कर राखी पर्व की शुभकामनाएं दी और महिलाओं ने मुख्यमंत्री की कलाई पर राखी बांधकर भाई बहन के पवित्र पर्व को मनाया।

महिला रेजिडेंट चिकित्सक ने पुरुष रेजिडेंट डॉक्टर पर धमकाने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) मेडिकल कॉलेज की एक महिला रेजिडेंट चिकित्सक ने वरिष्ठ पुरुष रेजिडेंट चिकित्सक पर उसे धमकाने का आरोप लगाया। हालांकि उसने इस संबंध में पुलिस में मामला दर्ज कराने से इनकार किया है। पुलिस के अनुसार, इस महिला रेजिडेंट चिकित्सक ने व्हाट्सऐप ग्रुप पर की गई पोस्ट में आशंका जताई है कि उसके साथ दुष्कर्म या उसकी हत्या जैसी घटना हो सकती है।

पुलिस के अनुसार, महिला रेजिडेंट चिकित्सक ने जयपुर एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स (जार्ड) के एक व्हाट्सऐप ग्रुप में यह आरोप लगाते हुए एक पोस्ट लिखी जिसका स्क्रीनशॉट एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी को भेजा गया। इसके बाद रविवार रात पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस द्वारा संपर्क किए जाने पर महिला रेजिडेंट ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कराने से इनकार करते हुए कहा कि आरोपी वरिष्ठ रेजिडेंट चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई करना कॉलेज प्रशासन का काम है। सवाई मान सिंह अस्पताल थाने के थानाधिकारी सुधीर उपाध्याय ने बताया, मामला तब सामने आया जब महिला ने रेजिडेंट चिकित्सकों के एक विभागीय व्हाट्सऐप ग्रुप में वरिष्ठ रेजिडेंट चिकित्सक के खिलाफ आरोप लगाते हुए एक संदेश भेजा।

उन्होंने बताया कि उस संदेश का स्क्रीनशॉट मिलने के बाद कॉलेज के प्रधानाचार्य ने कल रात पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस अधिकारी ने कहा, हमने महिला रेजिडेंट चिकित्सक से संपर्क किया, लेकिन उसने मामला दर्ज करने से इनकार कर दिया। महिला चिकित्सक फिलहाल अपने परिवार के साथ रह रही है और सुरक्षित है। उन्होंने बताया कि रविवार शाम को महिला ने एक वरिष्ठ चिकित्सक का नाम लेते हुए सोशल मीडिया समूह में संदेश भेजा कि वह कार्यस्थल पर सुरक्षित महसूस नहीं करती। महिला चिकित्सक ने आरोप लगाया कि बायोकेमिस्ट्री का द्वितीय वर्ष का रेजिडेंट चिकित्सक एसएमएस मेडिकल कॉलेज में महिलाओं को एक वस्तु के रूप में देखता है...।

महिला चिकित्सक ने बताया, उसने (वरिष्ठ चिकित्सक) ने मुझे धमकी दी है कि वह मेरे साथ और भी बुरा करेगा, उसके पास ऐसा करने के लिए पर्याप्त राजनीतिक ताकत है... तो आप लोग मुझे बताएं कि क्या मुझे तब तक इंतजार करना चाहिए जब तक वह मेरे साथ सबसे बुरा न कर दे? यह बलात्कार से लेकर मेरी हत्या तक कुछ भी हो सकता है या ऐसा कुछ और भी हो सकता है जो उसकी सोच के अनुसार सबसे बुरा हो। पुलिस के अनुसार, इस कथित पोस्ट में रेजिडेंट चिकित्सक के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की गई।

महिला रेजिडेंट चिकित्सक ने कहा, मैं नहीं चाहती कि मैं या कोई और लड़की अगली 'निर्भया' बने । साथ ही उन्होंने अन्य महिला रेजिडेंट डॉक्टरों से आग्रह किया कि जो अपने सहकर्मियों के कारण असुरक्षित महसूस कर रही हैं, वे आगे आकर इस बारे में अपनी बात रखें।

पारंपरिक उत्साह व उमंग के साथ मनाया गया रक्षाबंधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में रक्षाबंधन का त्योहार सोमवार को पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया, जहां बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और उन्हें मिठाई खिलाई। कोटा में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उन महिलाओं के साथ यह त्योहार मनाया, जिन्होंने कोरोना वायरस के कारण अपने भाइयों सहित परिवार के सदस्यों को खो दिया है।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया के आवास पर पहुंचकर उन्हें राखी बांधी और मिठाई खिलाई। उपमुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री प्रेमचंद बैरवा के निर्देश पर रक्षाबंधन के अवसर पर राज्य रोडवेज की बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा दी गई।

अधिकारी ने कहा, महिलाओं को राजस्थान में एसी, वोल्वो और ऑल इंडिया परमिट बसों को छोड़कर सभी श्रेणियों की बसों में सोमवार रात 11.59 बजे तक मुफ्त यात्रा की सुविधा दी गई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस प्रमुख गोविंद सिंह डोटासरा और अन्य नेताओं ने त्योहार की शुभकामनाएं दीं।

कर्तव्य पर्व है रक्षाबंधन, सदियों से भारतीय संस्कृति का है अहम हिस्सा : गोपाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गोपालपुरा बाईपास स्थित ग्रैंड सफारी में रक्षाबंधन महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित बहनों ने भाई के रूप में मुख्य अतिथि सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा की कलाई पर स्नेह और विश्वास की प्रतीक राखियां बांधीं। बहनों ने श्रीफल भेंटकर विधायक गोपाल शर्मा का मुंह मीठा करवाया। इस मौके पर महिलाओं के लिए विभिन्न इंडोर गेम का आयोजन किया गया। सभी महिलाओं ने प्रतियोगिताओं में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर विधायक गोपाल शर्मा ने कहा एक बहन का अपने भाई के प्रति जो प्रेम होता है, वह अतुलनीय है। बहन के प्रेम का ऋण चुकाना किसी भी भाई के लिए संभव नहीं है। विधायक शर्मा ने कहा कि बहन की लाज बचाने के लिए यहां भगवान ही भाई बनकर आए हैं। जब द्रौपदी का चीरहरण हो रहा था, तब भगवान कृष्ण ने भाई के रूप में उनकी लाज बचाई, जबकि द्रौपदी के पांचों पति उस समय के महान पराक्रमी थे। इस प्रकार रक्षाबंधन एक कर्तव्य पर्व है।

रक्षाबंधन का यह त्योहार सदियों से भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा रहा है। भाई के माथे पर तिलक लगाकर जीवन के हर संघर्ष, मोर्चे पर उनके सफल होने तथा निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर रहने की ईश्वर से प्रार्थना एक बहन ही कर सकती है। दुनिया का हर भाई अपनी बहनों की हर प्रकार की विपत्ति से रक्षा, उनके शील एवं मर्यादा की सुरक्षा करने में अपना गौरव समझता है। रक्षाबंधन पर भगवान हर बहन की झोली खुशियों से भर दें, यही मेरी प्रभु से कामना है। इस दौरान बहनों का प्रेम देख विधायक गोपाल शर्मा भावुक हो गए और उन्होंने कहां मैं बहनों के प्रेम के प्रति नतमस्तक हूं।

इस अवसर पर सिविल लाइंस क्षेत्र की 80 वर्षीय लाली देवी के नेतृत्व में चंद्रकांता सैनी और अन्य बहनों ने विधायक गोपाल शर्मा की फोटो लगी हुई बड़ी राखी भेंट की। कार्यक्रम का संचालन एंकर प्रीति सक्सेना ने किया।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में फूलों की होली भी खेली गई, राधा-कृष्ण लीला भी की गई, डांस कंपीटिशन भी आजोजित किया गया, जिसमें बढ़िया प्रस्तुति के लिए डॉ. डेजी शर्मा और तनया गडकरी को पुरस्कार मिला। इसके साथ ही गुब्बारा फुलाओ, वन मिनट गेम्स, मेमाराइज गेम्स, टैलेंट शो में भजन, गीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं।

उदयपुर चाकूबाजी कांड

छात्र देवराज ने तोड़ा दम, अस्पताल के बाहर विरोध शुरू, बनी तनाव की स्थिति, इंटरनेट बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। चार दिन पहले (16 अगस्त) उदयपुर में हुई चाकूबाजी की घटना में घायल स्टूडेंट की मौत हो गई है। एमबी अस्पताल में भर्ती छात्र की दोपहर करीब 3 बजे तबीयत बिगड़ गई थी। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। इसके बाद अस्पताल के बाहर भारी पुलिस जाब्ता तैनात कर दिया गया। छात्र के शव को मॉर्च्युरी में रखवाया गया है।

छात्र की मौत के बाद अस्पताल के बाहर लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है और नारेबाजी कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि इलाज के नाम पर हमें क्यों पागल बनाते रहे। मौके पर तनाव की स्थिति देखते हुए प्रशासन का जब्ता तैनात हो गया है। कलेक्टर अरविंद पोसवाल, एसपी योगेश गोयल, उदयपुर ग्रामीण फूल सिंह मीणा मौके पर मौजूद हैं।

शहर में बाजार से लेकर विभिन्न चौराहों पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। अफवाहों से शहर को बचाने के लिए नेटबंदी भी बढ़ा दी गई है। आज रात 10 बजे तक नेट बंद रहेगा। एमबी अस्पताल के चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात है। वारदात के दिन यहां बड़ी संख्या में भीड़ जुट गई थी। ऐसे में अस्पताल परिसर में उदयपुर एसपी योगेश गोयल और अन्य अधिकारी खुद सुरक्षा व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

सूरजपोल थाना क्षेत्र के भाटियानी चौहटा स्थित आर्य समाज स्कूल के बाहर बीती 16 अगस्त को छात्रों में आपसी कहासुनी के बाद चाकूबाजी हो गई थी। दसवीं में पढ़ने वाले छात्र ने अपने सहपाठी पर चाकू से हमला कर दिया था। वारदात को अंजाम देकर वो मौके से फरार हो गया था। हमले में छात्र देवराज गंभीर रूप से घायल हो गया था। हमलावर छात्र का नाम अयान बताया गया था। घायल और हमलावार दोनों ही दसवीं कक्षा के छात्र हैं और आर्य समाज स्कूल में ही पढ़ते हैं।

घायल देवराज के उपचार के लिए जयपुर के बाद कोटा से भी डॉक्टर की टीम उपचार के लिए आई है। पूरा मेडिकल बोर्ड उसके उपचार में लगा हुआ है और हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं कि उसकी हालत में जल्द से जल्द से सुधार हो।

अस्पताल अधीक्षक डॉ. आरएल सुमन ने बताया था कि डॉक्टर्स की टीम उपचार में लगी हुई है। छात्र का बीपी बढ़ा हुआ है, इसलिए बीपी का डोज बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि बेहतर उपचार के बावजूद घायल देवराज को हम सब की दुआओं की जरूरत है।

गजेंद्र सिंह शेखावत ने जोधपुर में की जनसुनवाई, उदयपुर और जोधपुर की घटनाओं पर व्यक्त किया दुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सोमवार को जोधपुर के सर्किट हाउस में जनसुनवाई आयोजित की। इस अवसर पर उन्होंने नागरिकों की समस्याओं को सुना और अधिकारियों को समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए। शेखावत ने हाल की जोधपुर और उदयपुर की घटनाओं पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि आरोपियों को सख्त सजा मिलेगी और प्रशासन द्वारा इस मामले में कठोर कार्रवाई की जाएगी। शेखावत ने कहा, हमारी जिम्मेदारी है कि इन घटनाओं को लेकर न्याय सुनिश्चित किया जाए और दोषियों को कड़ी सजा मिले।

रक्षाबंधन के अवसर पर उन्होंने सभी को शुभकामनाएं दी और इस पर्व को प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का संकल्प लेने का अवसर बताया। उन्होंने कहा, इस रक्षाबंधन पर हम सब मिलकर राष्ट्र, प्रकृति, पर्यावरण, धर्म और संस्कृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लें। जोधपुर में नाबालिक के साथ दुष्कर्म की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए शेखावत ने कहा, यह घटना अत्यंत दुखद है। पीड़िता का इलाज चल रहा है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस को निर्देश दिए गए हैं कि आरोपी को कठोर से कठोर सजा दी जाए। उदयपुर की घटना पर भी उन्होंने शांति बनाए रखने की अपील की और प्रशासन से आग्रह किया कि वे शांति व्यवस्था बनाए रखें। शेखावत ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जोधपुर आगमन राजस्थान उच्च न्यायालय के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक महत्वपूर्ण घटना है। पूरे मारवाड़ में इस आगमन को लेकर उत्साह है और लोग प्रधानमंत्री का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

गोगामेड़ी मेले का झंडारोहण के साथ विधिवत शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उत्तरी भारत के सबसे बड़े सांप्रदायिक सौहार्द के गोगामेड़ी मेले का हनुमानगढ़ में सोमवार को विधिवत पूजा अर्चना, झंडारोहण और राष्ट्रगान के साथ शुभारंभ किया गया। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने शुभारंभ कार्यक्रम में शिरकत की। इस मौके पर मंत्री कुमावत ने गोगाजी की समाधि पर चादर चढ़ाई तथा माथा टेक कर प्रदेश वासियों की समृद्धि तथा राजस्थान विकसित प्रदेश बने इसके लिए प्रार्थना की। इस वर्ष 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। इस मौके पर भादरा विधायक संजीव बेनीवाल, जिला कलेक्टर काना राम, पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान, नोहर प्रधान सोहन ढील, देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त गौरव सोनी, नोहर एसडीएम और मेला मजिस्ट्रेट पंकज गढ़वाल, पशुपालन संयुक्त निदेशक डॉ. हरीश गुप्ता मौजूद रहे। देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की दिक्कत ना आए इसके लिए प्रशासन लगातार प्रयासरत है। श्रद्धालुओं के लिए और अधिक सुविधा कैसे विकसित हो इसके लिए हम प्रयास करेंगे। दर्शनार्थियों के लिए अस्थाई व्यवस्थाएं टेंट लगाकर की जा रही है। जिसके लिए उन्होंने जिला कलेक्टर को निर्देश दिए कि स्थाई व्यवस्था हेतु जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों से चर्चा कर प्रस्ताव भेजें।

21 को प्रस्तावित भारत बंद के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सजगता और समन्वय से कार्य करें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गत दिनों माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एससी/एसटी आरक्षण के सम्बंध में दिए गये निर्णय के सम्बंध में कुछ संगठनों ने सोशल मीडिया के माध्यम से आव्हान कर आगामी 21 अगस्त को भारत बंद का आव्हान किया है। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने इस बंद के दौरान राज्य में कानून व्यवस्था, शांति व यातायात की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए की गई व्यवस्था की सोमवार को सचिवालय में आयोजित बैठक में समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में एसीएस (होम) आनन्द कुमार, पुलिस महानिदेशक यू. आर. साहू., पुलिस महानिदेशक (इंटेलीजेंस) संजय अग्रवाल, एडीजी (कानून व्यवस्था) विशाल बंसल, गृह सचिव श्रीमती रश्मि गुप्ता उपस्थित रहे। मुख्य सचिव और डीजीपी ने वीसी के माध्यम से रेंज आईजी, सम्भागीय आयुक्त, एसपी, कलेक्टर्स से फीडबैक लिया। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि बंद के आयोजकों के निरन्तर सम्पर्क में रहें तथा जुलूस के रूट, बंद में शामिल लोगों की संख्या, कितने बजे जुलूस कहाँ पहुंचेगा आदि जानकारी सम्बंधित अधिकारियों से साझा करें। व्यापार मंडल, शांति समितियों के प्रतिनिधियों से निरन्तर बातचीत करें। महापुरूषों की मूर्तियों, रेल व बस स्टेशनों के पास पर्याप्त जाब्ता रखे। क्षेत्र में कोई मेला, उत्सव आयोजित हो रहा है तो वहाँ भी पुलिस फोर्स की पर्याप्त तैनाती रखें। कार्यपालक मजिस्ट्रेटों की समय पर नियुक्ति कर उन्हें पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध करवा दें। सभी सम्भाग और जिलों से वीसी के माध्यम से शामिल अधिकारियों ने फीडबैक में बताया कि इंटेलीजेंस के माध्यम से पल-पल सूचना जुटाकर सम्बंधित अधिकारियों के साथ साझा की जा रही है। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सोशल मीडिया पर निगरानी रखें, अफवाह फैलाने और भडकाने वाली पोस्ट डालने, शेयर करने वालों को चिन्हित कर कार्रवाई करें तथा गलत तथ्य का सोशल मीडिया एवं प्रिंट/इलैक्ट्रॉनिक मीडिया में खंडन जारी करें।

मानसून की बारिश का दौर जारी

जयपुर। राजस्थान में मानसून की बारिश का दौर जारी है जहां बीते चौबीस घंटे में कई जगह हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, सोमवार सुबह साढ़े आठ बजे तक 24 घंटे में राज्य में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम दर्जे की वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान सबसे अधिक 58 मिलीमीटर बारिश नाथद्वारा में दर्ज की गई। इसके अलावा धौलपुर के राजाखेड़ा में 47 मिमी, भीलवाड़ा के सहाड़ा में 35 मिमी, सवाई माधोपुर में 30 मिमी व बूंदी नैनवा में 29 मिमी बारिश दर्ज की गई। इस दौरान पाली, करौली, जयपुर व दौसा में भी कई जगह बारिश हुई। राज्य में सर्वाधिक तापमान 37.2 डिग्री सेल्सियस धौलपुर में दर्ज किया गया। इस सप्ताहांत कोटा और उदयपुर संभाग के कुछ भागों में फिर भारी बारिश होने की संभावना है।

घर बैठे बनेगा बाल आधार कार्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा । आधार कार्ड पहचान का ऐसा दस्तावेज है। जिसका प्रत्येक सरकारी कार्य में उपयोग होता है। बच्चों से लेकर बड़ों तक का आधार कार्ड जरूरी है। आधार कार्ड बनवाने के लिए भीड़ के चलते परेशानी होती है। डाक विभाग ने पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के आधार कार्ड बनाने के प्रावधान में बदलाव किया है। अब आधार कार्ड बनवाने के लिए परिजनों को चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। बल्कि पांच साल से कम उम्र के बच्चों का घर पर ही आसानी से आधार बन जाएगा। डाक विभाग ने बच्चों के आधार में परिजन को छूट दी है। पांच साल के बच्चे का घर से आधार कार्ड बनाने के लिए डाक विभाग ने पहल की है। जिसके तहत विभाग की टीम आपकी सूचना पर घर पहुंचेगी और नि:शुल्क आधार संबंधी प्रक्रिया पूरी करेगी। जो भी अपने बच्चों का आधार बनवाना चाह रहे हैं वो अब घर बैठे ही इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं। डाक विभाग बच्चों के आधार कार्ड बनाने का कोई शुल्क नहीं लेगा।

डाक विभाग ने पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के घर बैठे आधार कार्ड बनाने की व्यवस्था शुरू की है। आधार कार्ड बनाने के लिए परिजनों को मोबाइल पर डाक विभाग का पोस्ट इन्फो ऐप डाउनलोड करना होगा। इसके बाद ऑनलाइन पूछी गई प्रक्रिया को पूरा करना होगा। जैसे नाम, पता, मोबाइल नबर आदि सूचनाएं देनी होंगी। यह प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद विभाग की टीम बच्चे का आधार कार्ड बनाने आपके घर पहुंचेगी। इसके अलावा डाकपाल को ऑफलाइन सूचना भी दी जा सकती है। इसके बाद विभाग की आइटी टीम बच्चे का आधार कार्ड बनाने के लिए उसके घर पहुंचेगी। इसके अलावा परिजन कोटा के प्रधान डाकघरों में जाकर भी बच्चों को आधार कार्ड बनवा सकते हैं।

डाक विभाग के अधिकारियों के अनुसार बाल आधार कार्ड के लिए केवल बच्चे की तस्वीर ली जाती है। साथ ही बच्चे के माता-पिता में से किसी एक का आधार कार्ड देना अनिवार्य है।

ऐसे में अगर माता-पिता का आधार नहीं हो तो पहले उसे बनवाना होगा। बाल आधार कार्ड पांच साल तक की उम्र के लिए होगा। इसके बाद बच्चे का दूसरा आधार कार्ड बनाया जाएगा। इसके लिए उसका फोटो, उंगलियों और आइरिस स्कैन का बायोमैट्रिक डेटा देना होगा। इसके बाद जब वह 15 साल का होगा, तो फिर एक बार फिर से आधार नामांकन की प्रक्रिया दोहराई जाएगी।

रक्षा सूत्र

जयपुर में सोमवारप को रक्षाबंधन के पावन पर्व पर भाजपा हरियाणा के प्रदेश प्रभारी व राजस्थान के पूर्व अध्यक्ष सतीश पूनिया के आवास पर पहुंच कर उनको रक्षा सूत्र बांधती उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी।

रक्षा बंधन

संसदीय क्षेत्र कोटा-बून्दी प्रवास के दौरान कोरोना पीड़ित परिवारों की बहनों व महिला सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला।

भाजपा ने चिकित्सक बलात्कार-हत्या मामले में ममता बनर्जी का इस्तीफा मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को 'बेशर्म' करार देते हुये उनके इस्तीफे की मांग की और आरोप लगाया कि कोलकाता में चिकित्सक से बलात्कार और हत्या के दोषियों को बचाने के लिए उनके इशारे पर अहम सबूत नष्ट कर दिए गए। पार्टी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं की भी आलोचना की और उन्हें 'राजनीतिक गिद्ध' करार दिया।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने यहां भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''ममता बनर्जी... 'ममता विध्वंसक' हैं। अपने कार्यों से उन्होंने एक महिला और एक चिकित्सक की गरिमा को नष्ट कर दिया, जो समाज की सेवा कर रही थी। ममता बनर्जी कानून के शासन और संविधान की विध्वंसक हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने सामूहिक बलात्कार एवं चिकित्सक की हत्या की 'संभावना' की त्वरित जांच सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए बल्कि उन्होंने जघन्य अपराध के अहम सबूत नष्ट करवाए। भाटिया ने कहा, ''और विध्वंसक... बेशर्म ममता की बेशर्मी देखिए। उन्होंने कोलकाता में एक मार्च निकाला जबकि पूरा देश बलात्कार और हत्या की वीभत्स घटना से शर्मिंदा था ... उन्हें (मुख्यमंत्री पद से) तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए।''

कोलाकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सेमिनार हॉल में नौ अगस्त को एक युवा महिला चिकित्सक का शव मिला था। ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक से बलात्कार व हत्या की घटना के कारण देशभर में रोष व्याप्त है। इस अपराध के सिलसिले में घटना के अगले दिन एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था। मृत चिकित्सक के लिए न्याय की मांग को लेकर मेडिकल कॉलेज के छात्रों का विरोध प्रदर्शन जारी है। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मंगलवार को मामले की जांच कोलकाता पुलिस से केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का आदेश दिया था। फिलहाल, सीबीआई मामले की जांच कर रही है।

बृहस्पतिवार तड़के करीब 40 लोगों के एक समूह ने अस्पताल में घुसकर आपातकालीन विभाग, नर्सिंग यूनिट और दवा स्टोर में तोड़फोड़ की। भीड़ ने सरकारी अस्पताल में सीसीटीवी कैमरे भी क्षतिग्रस्त कर दिए और उस मंच पर भी तोड़फोड़ की, जहां जूनियर डॉक्टर एक महिला डॉक्टर के कथित बलात्कार और हत्या के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे और अपने कार्यस्थल पर सुरक्षा की मांग कर रहे थे।

भाटिया ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है और ममता बनर्जी के नेतृत्व में राज्य में पूरी तरह से अव्यवस्था व्याप्त है। उन्होंने कहा, ''प्रथम दृष्टया, टीएमसी (तृणमूल कांग्रेस) के बेलगाम गुंडे मेडिकल कॉलेज में घुस गए थे और वे सीसीटीवी नष्ट करना चाहते थे ताकि सभी सबूत नष्ट हो जाएं।'' उन्होंने कहा, ''वह (बनर्जी) मामले में महत्वपूर्ण सबूतों को नष्ट करने पर आमादा थीं। ममता बनर्जी अपराधियों के साथ खड़ी हैं। उनके खिलाफ कार्रवाई करना तो दूर, वह उन्हें पुरस्कृत करती है। उन्होंने तुरंत मामला सीबीआई को क्यों नहीं सौंप दिया?''

भाटिया ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए यह आरोप भी लगाया कि उसके नेताओं ने भाजपा शासित राज्यों सहित देश के विभिन्न हिस्सों में सामने आए ऐसे मामलों से इसकी तुलना कर प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार एवं हत्या के मामले को 'सामान्यीकृत' कर दिया।

असम के मुख्यमंत्री ने वृद्धाश्रम निवासियों को आधार, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड उपहार में दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने सोमवार को रक्षा बंधन के अवसर पर गुवाहाटी के बाहरी इलाके सोनापुर में एक सरकारी वृद्धाश्रम के निवासियों को उपहार के रूप में आधारकार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड एवं ओरुनोदोई कार्ड प्रदान किए।

शर्मा ने यह भी घोषणा की कि पास के सिविल अस्पताल के डॉक्टर हर महीने मुफ्त स्वास्थ्य जांच के लिए वृद्धाश्रम आएंगे। उन्होंने समाज कल्याण मंत्री पीयूष हजारिका और दिसपुर के विधायक अतुल बोरा के साथ सोनापुर सरकारी वृद्धाश्रम का दौरा किया। आश्रम के निवासियों ने मुख्यमंत्री एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों को राखी बांधी और उन्हें अपने प्यार और आशीर्वाद के प्रतीक के रूप में लाल गुलाब भी भेंट किए।

शर्मा ने बताया कि आधार कार्ड वरिष्ठ नागरिकों के लिए पहचान प्रमाण का काम करेगा, जिससे वे सरकारी लाभ प्राप्त कर सकेंगे और बैंक खाते खोल सकेंगे। उन्होंने कहा कि राशन कार्ड से प्रत्येक निवासी को प्रति माह पांच किलोग्राम मुफ्त चावल मिलेगा और यह सुविधा पहले वृद्धाश्रम के निवासियों को उपलब्ध नहीं थी।

आयुष्मान कार्ड के तहत उनका प्रति वर्ष पांच लाख रुपए तक का नगदरहित उपचार होगा, जबकि ओरुनोदोई योजना के तहत विभिन्न खर्चों को पूरा करने के लिए सीधे उनके बैंक खातों में 1,250 रुपए प्रति माह दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं सोनापुर सिविल अस्पताल के डॉक्टरों से भी हर महीने मुफ्त चिकित्सा जांच के लिए यहां आने को कहूंगा।''

उप्र के अस्पताल में डॉक्टर ने दलित नर्स से किया बलात्कार, तीन गिरफ्तार

मुरादाबाद (उप्र)/भाषा। जिले के ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में दलित नर्स के साथ बंधक बनाकर किए गए कथित दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने सोमवार को एक डॉक्टर समेत दो अन्य को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) संदीप कुमार मीना ने सोमवार को बताया कि अस्पताल में नर्स से दुष्कर्म की घटना के संबंध में पीड़िता के परिवार ने 18 अगस्त को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अस्पताल में कार्यरत डॉ. शाहनवाज, वार्ड बॉय जुनैद और महिला नर्स मेहनाज के खिलाफ ठाकुरद्वारा थाने में दुष्कर्म और एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पिता द्वारा दी गयी शिकायत के अनुसार, 20 वर्षीय नर्स पिछले सात महीने से अस्पताल में काम कर रही थी। रोजाना की तरह शनिवार शाम करीब सात बजे वह ड्यूटी पर अस्पताल गई थी। आरोप है कि देर रात अस्पताल की ही एक अन्य नर्स मेहनाज ने पीड़िता को डॉ. शाहनवाज का नाम लेकर उसके कमरे में जाने को कहा।

ममता पर उठाई जाने वाली उंगलियां तोड़ देंगे: मंत्री ने डॉक्टर की हत्या को लेकर प्रदर्शन पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मंत्री उदयन गुहा की इस कथित टिप्पणी से विवाद खड़ा हो गया है कि महिला चिकित्सक से बलात्कार व हत्या के मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर उठाई जाने वाली उंगलियां तोड़ दी जाएंगी। गुहा की यह धमकी वायरल हुई एक वीडियो क्लिप में सुनी जा सकती है। हालांकि, 'पीटीआई-भाषा' वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं कर सका है।

तृणमूल कांग्रेस नेता गुहा को वीडियो में कथित तौर पर यह कहते सुना जा सकता है, ''जो लोग ममता बनर्जी पर हमला कर रहे हैं, उन पर उंगली उठा रहे हैं और उनके इस्तीफे की मांग कर रहे हैं, वे कभी सफल नहीं होंगे। ममता बनर्जी पर उठने वाली उंगलियां तोड़ दी जाएंगी।''

आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सेमिनार हॉल में नौ अगस्त को एक युवा महिला चिकित्सक का शव मिला था। ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक से बलात्कार व हत्या की घटना के कारण देशभर में रोष व्याप्त है। इस अपराध के सिलसिले में घटना के अगले दिन एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा, ''उकसावे के बावजूद, पुलिस ने आर जी कर अस्पताल में तोड़फोड़ किए जाने के दौरान लाठीचार्ज नहीं किया।'' लोगों के एक समूह ने 15 अगस्त की सुबह अस्पताल में घुसकर आपातकालीन विभाग, नर्सिंग केंद्र और दवा भंडार में तोड़फोड़ की थी।

सरकारी नियुक्तियों में आरक्षण जरूरी, इसमें कोई किंतु-परंतु नहीं : चिराग पासवान

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने 'लेटरल एंट्री' के जरिए सरकारी पदों पर नियुक्तियों के किसी भी कदम की सोमवार को आलोचना करते हुए कहा कि वह केंद्र के समक्ष यह मुद्दा उठाएंगे। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जब हाल ही में केंद्र सरकार ने 'लेटरल एंट्री' के माध्यम से 45 विशेषज्ञों की विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उपसचिव जैसे प्रमुख पदों पर अनुबंध आधार पर नियुक्ति करने की घोषणा की। आमतौर पर ऐसे पदों पर अखिल भारतीय सेवाओं – भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा और भारतीय वन सेवा – और अन्य 'ग्रुप ए' सेवाओं के अधिकारी तैनात होते हैं। विपक्ष का आरोप है कि 'लेटरल एंट्री' के जरिये लोक सेवकों की भर्ती करने का यह कदम ''राष्ट्र विरोधी कदम'' है और इस तरह की कार्रवाई से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग का आरक्षण ''खुलेआम छीना जा रहा है।'' चिराग पासवान ने इस मुद्दे को लेकर 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''किसी भी सरकारी नियुक्ति में आरक्षण का प्रावधान होना चाहिए। इसमें कोई किंतु-परंतु नहीं है। निजी क्षेत्र में आरक्षण नहीं है और अगर सरकारी पदों पर भी इसे लागू नहीं किया जाता है... यह जानकारी रविवार को मेरे सामने आई और यह मेरे लिए चिंता का विषय है।''

भाजपा में शामिल होने को लेकर चंपई सोरेन से अभी कोई बात नहीं हुई : बाबूलाल मरांडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की झारखंड इकाई के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को कहा कि चंपई सोरेन के भाजपा में शामिल होने की संभावनाओं को लेकर उनके साथ अभी कोई बातचीत नहीं हुई है।

मरांडी ने कहा कि चंपई एक मंझे हुए नेता हैं और वह अपनी आगे की राह के बारे में निर्णय खुद लेंगे।

भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बीच चंपई रविवार दोपहर दिल्ली पहुंचे थे। बाद में उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था कि बतौर मुख्यमंत्री उन्होंने ''अत्यधिक अपमान'' झेला, जिसके बाद वह वैकल्पिक राह तलाशने के लिए मजबूर हो गए।

मरांडी ने कहा, ''चंपई सोरेन से अभी तक कोई बातचीत नहीं हुई है। वह एक मंझे हुए नेता हैं और झारखंड राज्य के गठन के लिए चलाये गए आंदोलन का हिस्सा रह चुके हैं। वह अपनी आगे की राह के बारे में निर्णय खुद लेंगे।''

चंपई के सोशल मीडिया पोस्ट का जिक्र करते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा, ''इससे संकेत मिलता है कि वह बहुत आहत हैं। जिस तरह से मुख्यमंत्री पद से हटाया गया, उससे उन्होंने काफी अपमानित महसूस किया।''

चंपई ने पोस्ट में बताया कि तीन जुलाई को पार्टी विधायकों की बैठक में उनसे इस्तीफा देने को कहा गया। उन्होंने कहा कि वह इस निर्देश से आहत थे, क्योंकि उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंची थी।

पूर्वोत्तर में सुरक्षा चिंता का विषय, बांग्लादेश में सत्तारूढ़ लोगों से वार्ता की जरूरत: विचार समूह

गुवाहाटी/भाषा। पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा है कि भारत को बांग्लादेश में सत्ता में मौजूद लोगों के साथ बातचीत करने की जरूरत है, क्योंकि पड़ोसी देश में अस्थिरता का पूर्वोत्तर क्षेत्र के सुरक्षा परिदृश्य पर सीधा प्रभाव पड़ता है। श्रृंगला ने यह बात कार्यक्रम में कही, जिसमें बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति से निपटने में भारत के लिए नीतिगत विकल्पों पर एक रिपोर्ट जारी की गई। केंद्र को सौंपी जाने वाली यह रिपोर्ट विचार समूह 'सोसाइटी टू हार्मोनाइज एस्पिरेशंस फॉर रिस्पॉन्सिबल एंगेजमेंट' (शेयर) द्वारा तैयार की गई है। विचार समूह के सदस्य सुरक्षा और रक्षा विशेषज्ञ हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता का सीधा प्रभाव पूर्वोत्तर भारत में सुरक्षा और विकास परियोजनाओं, दोनों पर पड़ रहा है। बांग्लादेश में भारत के राजदूत रह चुके श्रृंगला ने कहा ''भारत को बांग्लादेश में सत्ता में मौजूद लोगों या सत्ता के पीछे मौजूद लोगों के साथ बातचीत करनी होगी, योंकि पड़ोस में स्थिरता का पूर्वोत्तर भारत के सुरक्षा परिदृश्य पर सीधा प्रभाव पड़ता है।''

असम: गुवाहाटी के मॉल को मिली बम से उड़ाने की धमकी, खाली कराया गया

गुवाहाटी/भाषा। असम के गुवाहाटी के मध्य में स्थित एक मॉल के अधिकारियों को सोमवार को एक अज्ञात संगठन से बम की धमकी मिली, जिसके बाद इसे खाली करा दिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। राज्य सचिवालय के नजदीक स्थित 'सिटी सेंटर मॉल' को शाम करीब चार बजे खाली करा लिया गया। अधिकारियों ने शुरुआत में मॉल के अचानक बंद होने का कारण 'तकनीकी समस्या' बताया था। असम पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई भाषा' को बताया कि मॉल के अधिकारियों को परिसर में बम होने के बारे में एक ई-मेल मिला था। उन्होंने कहा, यह ई-मेल पूरे भारत में 75 स्थानों पर भेजा गया था। हमें पता चला कि 'एड्रेस बार' में कुल 75 प्राप्तकर्ता थे। इसमें मॉल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। यह घटना प्रतिबंधित उल्फा (आई) द्वारा गुवाहाटी के कई स्थानों सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में 24 बम लगाने की घोषणा के चार दिन बाद हुई है।

सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर नोटिस देने पर वरिष्ठ चिकित्सकों का कोलकाता पुलिस मुख्यालय तक मार्च

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु चिकित्सक से दुष्कर्म एवं हत्या को लेकर सोशल मीडिया पर साझा किए गए पोस्ट के सिलसिले में वरिष्ठ चिकित्सक कुणाल सरकार और सुबर्णा गोस्वामी सोमवार को दोपहर में पुलिस के सामने पेश हुए।

चिकित्सकों के मार्च का नेतृत्व करते हुए दोनों वरिष्ठ चिकित्सक लाल बाजार स्थित कोलकाता पुलिस मुख्यालय पहुंचे।

कलकत्ता के मेडिकल कॉलेज से शुरू हुए जुलूस को पुलिस ने फियर्स लेन-बीबी गांगुली स्ट्रीट क्रॉसिंग के पास रोक दिया, और दोनों चिकित्सकों को वरिष्ठ अधिकारी पुलिस मुख्यालय ले गये।

पुलिस ने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर दोनों वरिष्ठ चिकित्सकों कुणाल सरकार और सुबर्णा गोस्वामी को नोटिस जारी कर उन्हें लालबाजार स्थित कोलकाता पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए कहा था।

सरकार ने कहा, ''हम उस युवा चिकित्सक के लिए न्याय चाहते हैं और हमने कोई अपराध नहीं किया है।'' प्रदर्शनकारी चिकित्सक मानस गुमटा ने कहा कि अगर 'न्याय की मांग' को दबाने की कोशिश की गई तो चिकित्सक आंदोलन तेज कर देंगे।

पुलिस ने सरकार और गोस्वामी पर गलत सूचना फैलाने और पीड़ित महिला प्रशिक्षु चिकित्सक की पहचान उजागर करने का आरोप लगाया था। अस्पताल में ड्यूटी के दौरान प्रशिक्षु चिकित्सक से कथित तौर पर बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई।

केंद्र ने उच्चतम न्यायालय में 'तीन तलाक' पर 2019 के कानून का बचाव किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। 'तीन तलाक' को अपराध बनाने वाले 2019 के कानून का बचाव करते हुए केंद्र ने उच्चतम न्यायालय से कहा है कि यह प्रथा विवाह की सामाजिक संस्था के लिए ''घातक'' है। कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं के जवाब में दाखिल हलफनामे में केंद्र सरकार ने कहा है कि शीर्ष अदालत द्वारा 2017 में इस प्रथा को खारिज करने के बावजूद, यह समुदाय के सदस्यों के बीच ''इस प्रथा से तलाक की संख्या को कम करने में पर्याप्त निवारक के रूप में काम नहीं कर पाया है।'' इसमें कहा गया, ''संसद ने विवेक से, तीन तलाक से पीड़ित विवाहित मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए उक्त कानून पारित किया।''

हलफनामे में कहा गया, ''यह कानून विवाहित मुस्लिम महिलाओं के लिए लैंगिक न्याय और लैंगिक समानता के व्यापक संवैधानिक लक्ष्यों को सुनिश्चित करने में मदद करता है तथा गैर-भेदभाव और सशक्तीकरण के उनके मौलिक अधिकारों की रक्षा करने में मदद करता है।'' उच्चतम न्यायालय ने 22 अगस्त 2017 को एक बार में कहकर दिए जाने वाले तीन तलाक (तलाक-ए-बिद्दा) को असंवैधानिक घोषित कर दिया था।

केंद्रीय जल आयोग विजन 2047 के साथ तैयार कर रहा नई कार्यप्रणाली : सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष वोरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) अपने विजन 2047 के साथ एक नई कार्यप्रणाली तैयार कर रहा है, जिसमें जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। आयोग के अध्यक्ष कुशविंदर वोरा ने यह जानकारी दी।

वोरा ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में आयोग की रणनीतिक योजना की रूपरेखा के बारे में बताया, जिसमें भारत के जल प्रबंधन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से अल्पकालिक, मध्य अवधि और दीर्घकालिक लक्ष्यों का उल्लेख है। वोरा ने कहा, हम चुनौतियों, खासकर जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए अपने लिए विजन 2047 बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस रणनीति में देश में जल प्रबंधन की तात्कालिक, मध्यम और दीर्घकालिक जरूरतों से निपटने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण शामिल है।

पैरालंपिक में विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्णिम गाथा लिखने की तैयारी में सुमित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। टोक्यो पैरालंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल का लक्ष्य पेरिस खेलों में पुरुषों के एफ64 श्रेणी में अपने विश्व रिकॉर्ड में सुधार के साथ खिताब का बचाव करना है। सुमित 28 अगस्त से आठ सितंबर तक होने वाले खेलों के उद्घाटन समारोह में भाग्यश्री जाधव (गोला फेंक, एफ34 श्रेणी) के साथ भारतीय ध्वजवाहक भी होंगे।

सुमित ने टोक्यो पैरालंपिक में तीन बार विश्व रिकॉर्ड कायम करते हुए 68.55 मीटर के प्रयास से स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने इसके बाद 2023 पैरा विश्व चैम्पियनशिप में 70.83 मीटर के थ्रो के साथ नया विश्व रिकॉर्ड कायम किया और फिर हांगझोऊ एशियाई पैरा खेलों में इसमें सुधार करते हुए 73.29 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता। एफ 64 श्रेणी पैर के निचले हिस्से में विकार वाले खिलाड़ियों से संबंधित है जो प्रोस्थेटिक्स (कृत्रिम पैर) का उपयोग करके खड़े होने की स्थिति वाली स्पर्धा में भाग लेते हैं। सुमित ने भाषा को दिये साक्षात्कार में कहा कि वह पेरिस पैरालंपिक में अपने विश्व रिकॉर्ड में सुधार कर स्वर्ण पदक जीतना चाहते हैं।

इस 26 साल के खिलाड़ी ने कहा, ''मेरा दीर्घकालिन लक्ष्य 80 मीटर की दूरी हासिल करना है लेकिन पेरिस पैरालंपिक में मैं 75 मीटर की दूरी के साथ स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश करूंगा।'' सत्रह साल की उम्र में सड़क दुर्घटना में

अपना एक पैर गंवाने वाले इस खिलाड़ी ने इस वर्ष मई में पैरा विश्व चैम्पियनशिप में 69.50 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता था। सुमित ने कहा, ''अभ्यास के दौरान मेरे प्रयास काफी निरंतर रहे हैं। मैंने तकनीक में कोई बदलाव किये बिना ताकत और मजबूती बढ़ाने पर काफी मेहनत की है। मेरी कोशिश रहेगी कि अपने पिछले रिकॉर्ड को बेहतर करूं।'' पिछले खेलों के चैंपियन और भारतीय ध्वजवाहक होने के कारण दबाव के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, '' अभी कोई दबाव नहीं है लेकिन पेरिस पहुंचने के बाद चीजों के बारे में पता चलेगा। एक बार जब आप खेल गांव या प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचते हैं तो चीजों थोड़ी अलग हो जाती है। मेरी कोशिश बिना किसी दबाव के अपना सर्वश्रेष्ठ करने की होगी।'' उन्होंने कहा, '' मैं इस पल का लुत्फ उठाना चाहता हूं। भारत से पहली बार इतना बड़ा और मजबूत दल पैरालंपिक में जा रहा है और मुझे ध्वजवाहक बनने पर गर्व महसूस हो रहा है।''

पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारत के 84 खिलाड़ी 12 स्पर्धाओं में भाग लेंगे। पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित इस खिलाड़ी ने कहा, ' पैरालंपिक जैसे आयोजन में ध्वजवाहक होना एक अलग तरह की भावना होती है। यह पहली बार है जब मैं पैरालंपिक के उद्घाटन समारोह का हिस्सा बनूंगा। टोक्यो पैरालंपिक के समय कोविड महामारी के कारण काफी बंदिशें थी और वहां मेरी स्पर्धा बाद में थी तो मैं देर से पहुंचा था।''

सुमित ने कहा कि टोक्यो पैरालंपिक के बाद उन्होंने ज्यादा प्रतियोगिताओं में भाग लेने की जगह अधिक अभ्यास करने पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा, ''मैंने काफी सीमित स्पर्धाओं में भाग लिया है। मैंने अभ्यास में अधिक समय दिया है। स्पर्धाएं तो चलती रहती हैं लेकिन मेरा लक्ष्य भारत को पैरालंपिक से पदक दिलाना है और पिछले तीन साल से मेरा पूरा ध्यान इसी पर है।''

हमारी प्राथमिकता फुटबॉल की गुणवत्ता में सुधार करना: एआईएफएफ के नये महासचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के नवनियुक्त महासचिव पी. अनिलकुमार ने सोमवार को कहा कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता फीफा, क्लबों, राज्य संघों और सरकार जैसे प्रत्येक हितधारक को शामिल करते हुए देश में फुटबॉल की 'गुणवत्ता में सुधार' करना है।

अनुभवी खेल प्रशासक अनिलकुमार का 'फुटबॉल हाउस' में एआईएफएफ कोषाध्यक्ष किपा अजय ने उप महासचिव एम सत्यनारायण की उपस्थिति में स्वागत किया। अनिलकुमार ने सोमवार को कार्यभार संभालने के बाद एआईएफएफ वेबसाइट से कहा, ''अब, प्राथमिकता फुटबॉल की गुणवत्ता में सुधार की होगी।'' उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं पता कि इसे उस स्तर पर लाने में हमें कितना समय लगेगा। लेकिन फिर भी हम इस उम्मीद के साथ शुरुआत कर रहे हैं कि हम कुछ बेहतर कर सकेंगे। जब तक हम सफल नहीं हो जाते, हम हार नहीं मानेंगे।'' उन्होंने कहा, ''हम आप सभी भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों और भारतीय फुटबॉल का समर्थन करने वालों के साथ काम करना जारी रखेंगे।'' अनिलकुमार का मानना है कि जब गुणवत्ता में सुधार होगा, तो फुटबॉल देखने वाले दर्शकों की संख्या बढ़ेगी और फुटबॉल में निवेश बढ़ेगा। नवनियुक्त महासचिव ने कहा कि भारतीय फुटबॉल हालांकि कई वर्षों से आगे बढ़ रहा है, लेकिन फीफा रैंकिंग को पैमाना बनाये तो यह अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाया है। उन्होंने कहा, ''ऐसे में उस रैंकिंग को सुधारने की हमारी बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी है। हमारा ध्यान भारतीय फुटबॉल की गुणवत्ता में सुधार करने और इसे वैश्विक स्तर पर अधिक स्वीकार्य बनाने के लिए सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम करने पर होगा।''

सुविचार

बुरे लोगों से घृणा न करे, क्योंकि वे अक्सर कुछ अच्छा तजुर्बा दे जाते है!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इतना 'मोह' क्यों?

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सिविल सेवा की नौकरियों के प्रति 'मोह' के संबंध में जो बयान दिया, वह मौजूदा हालात की कड़वी हकीकत को बयान करता है। वास्तव में ऐसा बयान देने का 'साहस' बहुत कम लोग दिखा पाते हैं। सिविल सेवा के तहत आने वाले पद देश के विकास में महत्त्वपूर्ण स्थान रखते हैं। इससे भी इन्कार नहीं किया जा सकता कि इन पदों पर कुछ अधिकारियों ने उल्लेखनीय काम किए हैं, लेकिन सिविल सेवा की नौकरियों का अत्यधिक महिमा-मंडन करना उचित नहीं है। हर साल जब यूपीएससी परीक्षा के नतीजे आते हैं तो कई दिनों तक मीडिया में इसी के चर्चे होते हैं। गोया जिसने यह परीक्षा पास कर ली, उसी का जीवन सफल है, बाकी परीक्षाओं / रोजगार के विकल्पों का होना या न होना कोई मायने नहीं रखता! यह सोच बदलने की जरूरत है। जो अभ्यर्थी इस परीक्षा को पास करता है, उसका अपना ज्ञान और कौशल होता है, इससे बिल्कुल इन्कार नहीं किया जा सकता, लेकिन किसी एक परीक्षा को बहुत ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर पेश करना ठीक नहीं है। सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने से पहले खुद से कुछ सवाल जरूर करने चाहिएं। यहां देखादेखी का सिलसिला नहीं होना चाहिए, न यह जरूरी है कि हर प्रतिभाशाली विद्यार्थी सिविल सेवा में ही जाए। अगर कोई युवा ईमानदारी से देशसेवा करना चाहता है और इसके लिए सिविल सेवा का रास्ता चुनता है तो यह बहुत अच्छी बात है। इसका स्वागत होना चाहिए, लेकिन यह सोचना कि देशसेवा सिर्फ और सिर्फ सिविल सेवा से संबंधित किसी पद को प्राप्त करने के बाद ही की जा सकती है, तो यह सरासर गलत है।

देशसेवा करने के बहुत तरीके हो सकते हैं। अगर आप किसान परिवार से आते हैं और वैज्ञानिक समझ अच्छी है तो खेती करने के नए-नए तरीके ढूंढ़कर भी देशसेवा कर सकते हैं। अगर आपके पास तकनीकी ज्ञान है तो कोई नया यंत्र विकसित कर देशसेवा में योगदान दे सकते हैं। अगर आपके पास कोई खास हुनर है तो उससे संबंधित व्यवसाय की शुरुआत करना और लोगों को रोजगार देना भी देशसेवा है। जायज तरीकों से कमाई करना और आयकर देना भी देश की बहुत बड़ी सेवा है। आज असंख्य माध्यमों से देशसेवा की जा सकती है। अगर प्रयास सच्चे हैं तो समाज आपके योगदान को स्वीकारेगा, सराहेगा। जिन लोगों के प्रयासों से बड़े स्तर पर सकारात्मक बदलाव आते हैं, उन्हें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिलता है। बात कुछ कड़वी है, लेकिन सच है कि सिविल सेवा की नौकरियों के अत्यधिक महिमा-मंडन ने कई प्रतिभाशाली युवाओं को बहुत नुकसान पहुंचाया है। जो अभ्यर्थी इस परीक्षा को पास कर लेता है, कोचिंग सेंटर उसकी सफलता का खूब बखान करता है। ठीक है, सफलता मिली है तो उसकी खुशी मनाएं। उसके साथ यह भी बताएं कि आपके यहां ऐसे कितने अभ्यर्थी थे, जो यह परीक्षा पास नहीं कर पाए? जो सफल हो गए, उनके बारे में बहुत कुछ बताया जाता है। जो सफल नहीं हुए, उनके बारे में क्यों नहीं बताया जाता? कितने ही अभ्यर्थी ऐसे होते हैं, जिन्होंने अपनी ज़िंदगी के चार-पांच साल इसमें लगा दिए, लाखों रुपए खर्च कर दिए। कलेक्टर बनने की धुन में अन्य विकल्पों के बारे में नहीं सोचा था। अब वे क्या करें? दिल्ली के जिन इलाकों में किराए पर कमरा लेकर अभ्यर्थी तैयारी करते हैं, उनके लिए हालात बहुत मुश्किल हो चुके हैं। छोटा-सा कमरा लेने के लिए भी 15 से 20 हजार रुपए हर महीने देने होते हैं। हाल में एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में हादसे के बाद अभ्यर्थी आक्रोशित हो गए थे। लोगों को यह जानकर हैरत हुई कि नियम और नैतिकता पर लंबा-चौड़ा भाषण देने वाले कुछ कोचिंग संचालक खुद ही इनकी धज्जियां उड़ा रहे थे। इन सबसे घिरा भारत का युवा करे तो क्या करे? परिवार की आकांक्षाएं भी अपनी जगह होती हैं। इसके मद्देनजर समाज की सोच बदलनी होगी। रोजगार के अन्य विकल्पों के प्रति भी सम्मान की भावना पैदा करने की बहुत जरूरत है।

ट्वीटर टॉक

आज जोधपुर में निज निवास और सर्किट हाउस में क्षेत्रवासियों से आत्मीय मुलाक़ात हुई। इस प्रकार जागरूक नागरिकगणों से मुझे संसदीय क्षेत्र की ज़मीनी सूचना भी मिलती रहती है। जनता का स्नेह और आशीर्वाद हर पर्व पर मेरा प्रसाद होता है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

भाई-बहन के पवित्र रिश्ते, परस्पर स्नेह और विश्वास के महापर्व रक्षाबंधन की अनन्त शुभकामनाएं। आइए हम सभी मिलकर अटूट बंधन की इस डोर को मजूबत करें। यह त्योहार मेरी सभी बहनों के जीवन में खुशियों की बहार लेकर आए, उनकी हर मनोकामना पूरी हो।

-ओम बिरला

भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक राकेश पाल के असामयिक निधन की सूचना अत्यंत हृदयविदारक है। आपने भारत की समुद्री सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने और राष्ट्रीय सुरक्षा को नए आयाम देने में जो अमूल्य योगदान दिया, उसे सदैव स्मरण किया जाएगा।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

दुर्लभ सुखद संयोग

आदि शंकराचार्य देश भर का भ्रमण कर लोगों को ज्ञानोपयोगी उपदेश देते थे। एक बार उन्होंने कहा, 'जीवन में चार कल्याणकारी बातों का होना बड़ा दुर्लभ है। पहला प्रियवचन सहित दान, दूसरा अहंकाररहित ज्ञान, तीसरा क्षमायुक्त वीरता और चौथा त्यागपूर्वक निष्काम दान। धन, यौवन और आयु विद्युत की भांति अत्यंत चंचल होते हैं। ये नाशवान हैं, अतः इस जन्म में प्राप्त धन, यौवन और आयु का सदा सदुपयोग करना चाहिए। प्राणों पर बन आने पर भी पापाचरण से दूर रहना चाहिए। ईश्वर को प्रिय स्दकर्मों में प्रवृत्त रहकर ही मानव जीवन सफल बनाया जा सकता है।' जीवन में व्यक्ति का सर्वोत्तम आभूषण क्या है- इस प्रश्न के उत्तर में शंकराचार्य ने कहा, 'शील अर्थात उत्तम चरित्र ही सर्वोपरि आभूषण है। जो सदाचारी और विनयी है और सत्य वचन बोलता है, उसमें सभी प्राणियों को अपने वश में करने की क्षमता होती है।' उन्होंने आगे कहा, 'यदि व्यक्ति को मोक्ष की इच्छा है, तो विषयों को विष के समान दूर से ही त्याग दे और संतोष, दया, क्षमा, सरलता जैसे सदगुणों का पालन करते हुए भगवत भक्ति में लीन रहकर मानव जीवन को सार्थक बना सकता है।

सामयिक

यदि दिल्ली में हमने जल का सही तरह से संरक्षण करना नहीं सीखा तो यहां पर पानी को लेकर भविष्य के दिनों में भारी खून-खराबा होगा। अभी भी बहुत सी अनधिकृत बस्तियों में पानी को लेकर सुबह रोज झगड़े होते हैं। कत्ल तक हो चुके हैं। जल के स्रोत सीमित हैं। नये स्रोत हैं नहीं, ऐसे में जल स्रोतों को संरक्षित रखकर एवं जल को बचाकर ही हम जल संकट का सामना कर सकते हैं।

डूबती दिल्ली, मरते लोग, दोषी कौन?

आर.के. सिन्हा

राजधानी दिल्ली में इस बार मानसून के मौसम में हो रही भारी बारिश से हाहाकर मचा हुआ है। बारिश के पानी के कारण हो रहे जलभराव में लोग डूब रहे हैं या फिर उनकी पानी में खुली बिजली की तारों से करंट लगने के कारण जानें जा रही हैं। ये हादसे दिल्ली नगर निगम और दिल्ली सरकार की काहिली और नकारापन की चीख-चीख कर पुष्टि कर रहे हैं। यूं तो हरेक बारिश के मौसम में दिल्ली में जलभराव के कारण लगने वाले लंबे जाम के कारण लाखों लोगों की जिंदगी दूभर हो ही जाती है। पर इस बार बारिश के कारण यहां वहां जमा पानी में लोगों की डूबने के कारण अनेकों जानें भी जा रही हैं। साफ है कि जिन सरकारी एजेंसियों, अफसरों और कर्मियों पर देश की राजधानी को ठीक-ठाक रखने की जिम्मेदारी है, वह अपने दायित्वों को लेकर कतई गंभीर नहीं हैं। इन सरकारी महकमों में कसकर व्याप्त करप्शन भी इस कर्तव्यहीनता का मुख्य कारण है। कुछ दिन पहले देश की संसद भवन से पांच किलोमीटर दूर ओल्ड राजेन्द्र नगर में तीन नौजवान तब डूब कर मर गए थे, क्योंकि; वे जिस बेसमेंट में बैठकर पढ़ रहे थे, वहां पानी भर गया था। दिल्ली की मेयर शैली आनंद के क्षेत्र से ओल्ड राजेन्द्र नगर की एक किलोमीटर भी नहीं है। इसके बावजूद वहां इतना बड़ा हादसा हुआ। आम आदमी पार्टी के सांसद ओल्ड राजेन्द्र नगर से दो मिनट की दूरी पर स्थित न्यू राजेन्द्र नगर में रहते हैं। पर उनकी पार्टी ने उनकी भी कोई क्लास नहीं ली। हादसे के लिए मात्र दो-तीन निगम के निम्न वर्गीय कर्मियों को बर्खास्त कर दिया गया। सवाल यह है कि इस हादसे के लिए दिल्ली की मेयर ने अपने पद से इस्तीफा क्यों नहीं दिया? हाल ही में बेल मिलने के बाद दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जी अपनी दिल्ली सरकार के कामकाज की उपलब्धियां गिनवा रहे हैं। पर वे यहां जलभराव के कारण हुई मौतों पर चुप हैं। एक उम्मीद पैदा हुई थी कि ओल्ड राजेन्द्र नगर की भयानक घटना के बाद यहां नगर निगम कायदे से काम करने लगेगा। उस घटना से दिल्ली खासी व्यथित थी। जनता में गुस्सा था। पर नगर निगम का चाल-चरित्र-चेहरा नहीं बदला।

राजधानी में लोगों की जाने जाती रहीं, क्योंकि तेजी बारिश के कारण सड़कों पर पानी भरना जारी रहा और सड़कों पर पैदल चलने वालों की जान पर बन आई। दो बच्चों की करंट लगने और डूबने से मौत हो गई। दिल्ली में इस मानसून में अब तक मरने वालों की अबतक ज्ञात कुल संख्या 33 हो गई है। इतने लोगों की मौत के बावजूद यहां पर सब कुछ सामान्य रफ्तार से चलना साबित करता है कि समाज अब पूरी तरह संवेदनहीन हो चुका है। वह कभी-कभार ही अपनी तीखी प्रतिक्रिया देता है।

देखिए, जलवायु संकट मानसून में अप्रत्याशित पैटर्न पैदा कर रहा है, जिससे छोटे, लेकिन बहुत भारी बारिश के झोंके अब सामान्य से हो गए हैं। इसके लिए ठोस योजना की आवश्यकता है, न कि बाद में किए जाने वाले उपायों की। पर हमारे यहां बदले हुए हालात के अनुसार नहीं चला जाता है। सब काम चालू तरीके से होता है। जाहिर है, इसके बहुत दूरगामी परिणाम झेलने पड़ते हैं। हम अपनी याददास्त को अगर टटोलें, तो पाएंगे कि पर्यावरण में सुधी जनों ने चेतावनी इसलिए ही बहुत पहले ही दी थी। यकीन मानिए हमारे बहुत सारे सरकरी विभागों को लकवा मार गया है। वहां कोई आगे बढ़कर स्वेच्छा से काम करने के लिए तैयार ही नहीं है। जाहिर है, इस मानसिकता के कारण ही बेकसूर लोग मारे जा रहे हैं। यह सब होने के बाद भी सरकारी अफसरों और दिल्ली सरकार के मंत्री किसी भी प्रकार की जवाबदेही के लिए तैयार नहीं हैं। क्यों नहीं उनके खिलाफ सख्त एक्शन होता जिनकी वजह से लोग मारे जा रहे हैं या दिल्ली पानी-पानी हो रही है।

अजीब सी स्थिति है कि एक तरफ दिल्ली बारिश के कारण डूब जाती है, दूसरी ओर दिल्ली वालों को पीने का साफ पानी तक नसीब नहीं होता।राजधानी में पानी से जुड़े सारे मामलों को दिल्ली जल बोर्ड देखता है। दिल्ली जल बोर्ड का सर्वाधिक हाल बेहाल है। दिल्ली की आप सरकार के मंत्री और नेता रोज केन्द्र सरकार पर आरोपों की बौछार करने का कोई भी अवसर जाने नहीं देते। वे चिर असंतुष्ट प्राणी हैं। उन्हें सबसे शिकायतें हैं। वह कभी खुद भी अपने गिरेबान में झांक तो लें। वह खुद कब इस सवाल का जवाब देंगे कि वह दिल्ली को पेयजल के संकट से फलां-फलां तारीख तक उबार देंगे? दिल्ली का मतलब सिर्फ हरे-भरे पेड़ों से लबरेज नई दिल्ली का लुटियन क्षेत्र ही नहीं है। राजधानी का मतलब दक्षिण दिल्ली, उत्तर दिल्ली, पश्चिम दिल्ली या यमुना पार की सभ्रांत आवासीय कॉलोनियां भी नहीं है। दिल्ली के लाखों नागरिक उन अनधिकृत कॉलोनियों, घनी बस्तियों, झुग्गियों में भी जीवन यापन करने के लिए अभिशप्त हैं, जहां पर पीने का पानी मयस्सर नहीं है। जरा सोचिए कि किन हालातों में भीषण गर्मी के मौसम में लोग रहते होंगे। राजधानी के लाखों नागरिकों के घरों में पीने का पानी नहीं आता। यह अभागे हर रोज निजी जल आपूर्तिकर्ताओं अपने दिन भर के से उपयोग के लिये पानी खरीदते हैं। दस लाख की आबादी वाले संगम विहार में दिल्ली जल निगम से पानी की सप्लाई नहीं होती। यह हाल है दिल्ली का।

जल संकट से जूझ रहे दिल्ली में लगभग आधे जल निकायों का अतिक्रमण और अन्य कारणों की वजह से नष्ट हो जाना प्रशासनिक विफलता का संकेत है। दुनिया के सबसे अधिक जल संकट वाले शहरों में से एक, दिल्ली ने आधिकारिक तौर पर सूचीबद्ध अपने लगभग आधे जल स्रोतों को खो दिया है। जिस समय देश आजाद हुआ था, उस समय दिल्ली के 362 गांवों में 1012 तालाब थे। यह सरकारी आंकड़ा है। एक सर्वे में पता चला है कि दिल्ली में दो हजार से अधिक तालाब और बावड़ियाँ होती थी। आबादी बढ़ने और दिल्ली के विकास के साथ अधिकतर तालाब खत्म कर दिए गए। कई तालाबों पर कॉलोनियां बस गई। जो तालाब बचे हैं, उनमें से आधे से अधिक लगभग सूख चुके हैं। इन तालाबों को फिर से जीवित करना होगा। जानकार मानते हैं कि राजधानी में 500 से अधिक तालाब ऐसे हैं जिन्हें बारिश के पानी से पुनर्जीवित किया जा सकता है और बारिश की पानी से दिल्ली को जलमग्न होने से बचाया जा सकता है। बहुत साल पहले पानी-तालाब पर जीवन खपा देने वाले अनुपम मिश्र ने सुझाया था कि यमुना का भी पुनर्जीवन संभव है। अगर यमुना के किनारे वजीराबाद से ओखला के बीच बड़े तालाबों की एक श्रृंखला बनाई जाये।

यदि दिल्ली में हमने जल का सही तरह से संरक्षण करना नहीं सीखा तो यहां पर पानी को लेकर भविष्य के दिनों में भारी खून-खराबा होगा। अभी भी बहुत सी अनधिकृत बस्तियों में पानी को लेकर सुबह रोज झगड़े होते हैं। कत्ल तक हो चुके हैं। जल के स्रोत सीमित हैं। नये स्रोत हैं नहीं, ऐसे में जल स्रोतों को संरक्षित रखकर एवं जल को बचाकर ही हम जल संकट का सामना कर सकते हैं। इसके लिये हमें जल के उपयोग में मितव्ययी बनना पड़ेगा। जल प्रबंधन को बेहतर करना होगा। यदि वर्षाजल का समुचित संग्रह हो सके और जल के प्रत्येक बूंद को अनमोल मानकर उसका संरक्षण किया जाये तो जल संकट का समाधान संभव है।

राजधानी में रोज लाखों कारों और दूसरे वाहनों की धुलाई पर बहुत पानी बर्बाद हो जाता है। इस तरफ कोई ध्यान नहीं देता कि इस लिहाज से पानी की बर्बादी कैसे रोकी जाए। दिल्ली को अब जल संरक्षण के मसले पर सेंसटिव होना होगा। अब पानी के इस्तेमाल में हमें मितव्ययी बनना होगा। छोटे-छोटे उपाय कर जल की बड़ी बचत की जा सकती है। मसलन हम दैनिक जीवन में पानी की बर्बादी कतई न करें। समाज को खुद ही अपने मसले हल करने होंगे। यहां की दिल्ली सरकार से अब कोई उम्मीद करना बेकार है।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)

नजरिया

ऊर्जा का असीम और अनंत विकल्प है अक्षय ऊर्जा

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9034304041

पृथ्वी पर ऊर्जा के परम्परागत साधन बहुत सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं, ऐसे में खतरा मंडरा रहा है कि यदि ऊर्जा के इन पारम्परिक स्रोतों का इसी प्रकार दोहन किया जाता रहा तो इन परम्परागत स्रोतों के समाप्त होने पर गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी। यही कारण है कि पूरी दुनिया में गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की जरूरत महसूस की जाने लगी और इसी कारण अक्षय ऊर्जा स्रोतों से ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करने के प्रयास शुरू हुए। अक्षय का अर्थ है, जिसका कभी क्षय न हो अर्थात अक्षय ऊर्जा वास्तव में ऊर्जा का असीम और अनंत विकल्प है और आज के समय में यह किसी भी राष्ट्र के अक्षय विकास का प्रमुख स्तंभ भी है। पिछले कुछ वर्षों से पर्यावरणीय चिंताओं को देखते हुए ऐसी ऊर्जा तथा तकनीकें विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे ग्लोबल वार्मिंग की विकराल होती समस्या से दुनिया को कुछ राहत मिल सके। किसी भी राष्ट्र को विकसित बनाने के लिए आज प्रदूषणरहित अक्षय ऊर्जा स्रोतों का समुचित उपयोग किए जाने की आवश्यकता भी है। देश में अक्षय ऊर्जा के विकास और उपयोग को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए ही वर्ष 2004 से हर साल 20 अगस्त को अक्षय ऊर्जा दिवस भी मनाया जाता है।

आज न केवल भारत में बल्कि समूची दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार इन गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ही एक ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगी लेकिन अक्षय ऊर्जा की राह में भी कई चुनौतियां मुंह बाये सामने खड़ी हैं। अक्षय ऊर्जा उत्पादन की देशभर में कई छोटी-छोटी इकाईयां हैं, जिन्हें एक ग्रिड में लाना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। इससे बिजली की गुणवत्ता प्रभावित होती है। भारत में अक्षय ऊर्जा के विविध स्रोतों का अपार भंडार मौजूद है लेकिन इनसे ऊर्जा उत्पादन करने वाले अधिकांश उपकरण विदेशों से आयात किए जाते हैं।

डायरेक्टरेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडीज की 2018 की एक रिपोर्ट के अनुसार तीन वर्षों में सौर ऊर्जा के लिए करीब नब्बे फीसदी उपकरण आयात किए गए, जिस कारण बिजली उत्पादन की लागत काफी बढ़ जाती है।

देश में ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर तेजी से बढ़ रहा है। देश में साढ़े तीन लाख मेगावॉट से भी अधिक बिजली का उत्पादन किया जा रहा है लेकिन यह हमारी कुल मांग से करीब ढ़ाई फीसदी कम है। भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम मंत्रालय द्वारा प्रकाशित 20वीं ऊर्जा सांख्यिकी रिपोर्ट में बताया गया था कि वर्ष 2011-12 से 2016-17 के बीच प्रति व्यक्ति ऊर्जा की खपत 3.54 प्रतिशत बढ़ गई। वर्ष 2005-06 से 2018-19 के दौरान प्रति व्यक्ति बिजली उपभोग में करीब दो गुना वृद्धि दर्ज की गई। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के अनुसार देश में प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 1150 किलोवाट से भी अधिक बिजली का उपभोग किया जाता है। इसका एक अहम कारण देश में तेजी से बढ़ती जनसंख्या भी है। विशेषकर बिजली तथा ईंधन के रूप में उपभोग की जा रही ऊर्जा की मांग घरेलू एवं कृषि क्षेत्र के अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में भी लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्षेत्रों में ही बिजली तथा पैट्रोलियम जैसे ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का करीब 58 फीसदी उपभोग किया जाता है। औद्योगिक क्षेत्र के अलावा कृषि क्षेत्र तथा घरेलू कार्यों में भी ऊर्जा की मांग और खपत पिछले कुछ वर्षों में काफी बढ़ी है। एक रिपोर्ट के अनुसार देश में प्रति व्यक्ति ऊर्जा उत्सर्जन 4 फीसदी की दर से बढ़ रहा है।

दुनियाभर में ऊर्जा क्षेत्र में 77 फीसदी कार्बन उत्सर्जन बिजली उत्पादन से ही होता है। इन्हीं पर्यावरणीय खतरों को देखते हुए बिजली पैदा करने के लिए अब सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों को विशेष महत्व दिया जाने लगा है। अक्षय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देने से हमारी ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर कम होता जाएगा और इससे प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सामाजिक जीवन स्तर में भी सुधार होगा।

हम जिस बिजली से अपने घरों, दुकानों या दफ्तरों को रोशन करते हैं, जिस बिजली या पैट्रोलियम इत्यादि ऊर्जा के अन्य स्रोतों का इस्तेमाल कर खेती-बाड़ी या उद्योग-धंधों के जरिये देश को विकास के पथ पर अग्रसर किया जाता है, क्या हमने कभी सोचा है कि वह बिजली या ऊर्जा के अन्य स्रोत हमें कितनी बड़ी कीमत पर हासिल होते हैं? यह कीमत न सिर्फ आर्थिक रूप से बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी धरती पर विद्यामान हर प्राणी पर बहुत भारी पड़ती है। भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए कोयला, सोलर हीट, न्यूक्लियर हीट, कचरा तथा बायो ईंधन का उपयोग किया जाता है किन्तु अधिकांश बिजली कोयले के इस्तेमाल से ही पैदा होती है। विश्वभर में करीब 40 फीसदी बिजली कोयले से प्राप्त होती है जबकि भारत में 60 फीसदी से अधिक बिजली कोयले से, 16 फीसदी अक्षय ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा तथा बायो गैस से, 14 फीसदी पानी से और 8 फीसदी गैस से पैदा होती है। सार्वजनिक क्षेत्र के सवा सौ से भी अधिक थर्मल पावर स्टेशनों में प्रतिदिन 18 लाख टन से अधिक कोयले की खपत होती है।

दुनियाभर में ऊर्जा क्षेत्र में 77 फीसदी कार्बन उत्सर्जन बिजली उत्पादन से ही होता है। इन्हीं पर्यावरणीय खतरों को देखते हुए बिजली पैदा करने के लिए अब सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों को विशेष महत्व दिया जाने लगा है। अक्षय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देने से हमारी ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर कम होता जाएगा और इससे प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सामाजिक जीवन स्तर में भी सुधार होगा। सही मायने में अक्षय ऊर्जा ही आज भारत में विभिन्न रूपों में ऊर्जा की जरूरतों का प्रमुख विकल्प है, जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ टिकाऊ भी है। भारत धीरे-धीरे ही सही, अब इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। वास्तव में आज समय है आर्थिक बदहाली और भारी पर्यावरणीय विनाश की कीमत पर ताप, जल एवं परमाणु ऊर्जा जैसे पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों के बजाय अपेक्षाकृत बेहद सस्ते और कार्बन रहित पर्यावरण हितैषी ऊर्जा स्रोतों के व्यापक स्तर पर विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ने का लेकिन साथ ही हमें ऊर्जा की बचत की आदतें भी अपनानी होंगी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

जन सम्मान यात्रा

मुंबई में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के नेतृत्व में जन सम्मान यात्रा के दौरान समर्थक।

ग्रामीण भारत में साइकिल से स्कूल जाने वाले छात्रों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई : शोध

नई दिल्ली/भाषा। ग्रामीण क्षेत्रों में साइकिल से स्कूल जाने वाले छात्रों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है और इस ''मौन क्रांति'' का नेतृत्व लड़कियां कर रही हैं। एक नये शोध में यह जानकारी सामने आई है।

शोध के मुताबिक, बिहार और पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लड़कियां स्कूल जाने के लिए साइकिल का इस्तेमाल कर रही हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली और नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के शोधकर्ताओं को इस बात के भी पुख्ता सबूत मिले हैं कि साइकिल वितरण योजनाओं (बीडीएस) ने उन राज्यों में साइकिल चलाने को बढ़ावा देने में मदद की है, जहां इन्हें लागू किया गया और इसकी सबसे बड़ी लाभार्थी ग्रामीण लड़कियां हैं।

आईआईटी-दिल्ली के परिवहन अनुसंधान एवं चोट निवारण केंद्र की पीएचडी शोधार्थी सृष्टि अग्रवाल के अनुसार, लैंगिक मानदंड, साइकिल की उपलब्धता, स्कूल की दूरी और सड़कों पर सुरक्षा भारत में कुछ ऐसे प्रमुख कारक हैं, जिनके चलते साइकिल से स्कूल जाने वाले छात्रों की संख्या बढ़ रही है।

अग्रवाल ने कहा, ''राष्ट्रीय स्तर पर, स्कूल जाने के लिए साइकिल के इस्तेमाल का स्तर दशक (2007 से 2017) में 6.6 प्रतिशत से बढ़कर 11.2 प्रतिशत हो गया है। ग्रामीण भारत में ये स्तर लगभग दोगुना (6.3 प्रतिशत से 12.3 प्रतिशत) हो गया है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह लगभग स्थिर (7.8 प्रतिशत से 8.3 प्रतिशत) रहा है। चार जनसंख्या उप-समूहों में, साइकिल चलाने में सबसे अधिक वृद्धि ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों के बीच हुई है।''

''जर्नल ऑफ ट्रांसपोर्ट जियोग्राफी'' में प्रकाशित शोध में पाया गया कि अधिकतर राज्यों में, लड़के और लड़कियों के बीच साइकिल चलाने की हिस्सेदारी में वृद्धि हुई है, जिसमें लड़कियों के बीच अधिक वृद्धि हुई है। शोध के मुताबिक, ''लड़कियों के बीच साइकिल चलाने में सबसे अधिक वृद्धि बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में देखी गई, जहां यह स्तर आठ गुना बढ़ गया। पश्चिम बंगाल में लड़कियों के बीच साइकिल चलाने में तीन गुना वृद्धि हुई, जिससे ये देश भर में ग्रामीण लड़कियों के बीच साइकिल चलाने के उच्चतम स्तर वाले राज्य बन गये।''

इसके मुताबिक, ''असम, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों के बीच साइकिल चलाने का स्तर लगभग दोगुना हो गया है। वहीं, मणिपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में लड़के और लड़कियों दोनों के बीच साइकिल चलाने के स्तर में उल्लेखनीय गिरावट आई है।'' मुंबई के नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज की अदिति सेठ ने कहा कि देश के एक बड़े हिस्से में साइकिल चलाने के स्तर में अभूतपूर्व वृद्धि एक ''मौन क्रांति'' है।

पुरानी दिल्ली की मुगलकालीन मिठाई की दुकान 'घंटेवाला' फिर खुली

नई दिल्ली/भाषा। पुरानी दिल्ली के चांदनी चौक में मुगलकालीन दुकान 'घंटेवाला' एक बार फिर खुल गई हैं जहां फिर से घी से बना 'सोहन हलवा' और 'कराची हलवा' के साथ रागी के लड्डू का स्वाद चखने को मिलेगा। लाला सुखलाल जैन द्वारा 1790 में स्थापित 'घंटेवाला' दुकान को घटती बिक्री के कारण 2015 में बंद कर दिया गया था। यह दुकान पुरानी दिल्ली के लोकप्रिय स्थलों में से एक थी।

हालांकि, 2024 में उत्पादों की ऑनलाइन बढ़ती मांग को देखते हुए यह मुगलकालीन दुकान अपने पुराने पते पर फिर से खोल दी गई है और इस बार दुकान का नया स्वरूप दिया गया है, लेकिन मिठाइयों की सुंगध वही पुरानी है। 'घंटेवाला' के मालिक सुशांत जैन ने 'पीटीआई-भाषा 'को बताया, ''जब हमें 2015 में दुकान बंद करनी पड़ी तो मेरा पूरा परिवार बेहद दुखी था। कई ग्राहक हमारे पास आकर शिकायत करते थे कि ''अब हम ऐसी मिठाइयां कहां खाएंगे, खासकर हमारा पसंदीदा सोहन हलवा?''

जैन ने कहा, ''आखिरकार, दो-तीन साल पहले हमने अपनी परंपरागत मिठाइयों को ऑनलाइन बेचना शुरू किया और पूरे भारत में ग्राहकों से हमें जो प्रतिक्रिया मिली, वह बेहद ही उत्साहजनक थी। तभी हमने फैसला किया कि हमें फिर से अपनी दुकान को वहीं खोलना चाहिए।''

विरोध

कलकत्ता उच्च न्यायालय के वकीलों ने आर.जी. अस्पताल में एक युवा चिकित्सक के साथ हाल ही में हुए बर्बर बलात्कार और हत्या के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए।

विवादित जलक्षेत्र में फिर चीन और फिलिपीन के जहाजों की टक्कर, दोनों देशों ने एक-दूसरे पर लगाए आरोप

ताइपे। चीन और फिलिपीन के तटरक्षक जहाज सोमवार को समुद्र में सबीना शोल नामक क्षेत्र के निकट टकरा गए जिससे कम से कम दो नौकाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। सबीना शोल दक्षिण चीन सागर में पड़ने वाले देशों के बीच चिंताजनक रूप से बढ़ते क्षेत्रीय विवाद का नया केंद्र बनकर उभर रहा है।

दोनों देशों ने स्प्रैटली द्वीप समूह में एक विवादित क्षेत्र सबीना शोल के पास हुई टक्कर के लिए एक दूसरे को दोषी ठहराया है, इस टक्कर में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। वियतनाम और ताइवान भी स्प्रैटली द्वीप समूह पर अपना दावा जताते हैं। चीन के तटरक्षक बल ने फिलिपीन पर आरोप लगाया है कि उसके एक जहाज ने जानबूझकर चीनी पोत को टक्कर मारी है।

चीनी तट रक्षक बल के प्रवक्ता गान यू ने एक बयान में दावा किया, फिलिपीनी तट रक्षक बल के दो जहाज सबीना शोल के पास जल क्षेत्र में दाखिल हुए, चीनी तट रक्षक बल की चेतावनी को नजरअंदाज किया और तड़के 3:24 बजे एक चीनी पोत को जानबूझकर टक्कर मार दी। गान यू ने कहा, इस टक्कर के लिए फिलिपीनी पक्ष पूरी तरह से जिम्मेदार है। हम फिलिपीनी पक्ष को क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन और उकसावे भरी कार्रवाई तुरंत बंद करने की चेतावनी देते हैं, वरना उसे इसके सभी गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। पश्चिमी फिलीपीन सागर पर फिलिपीन के 'नेशनल टास्क फोर्स' ने कहा कि तटरक्षक बल के दो जहाजों 'बीआरपी बागाके' और 'बीआरपी केप एंगानो' को क्षेत्र में पाटाग और लावाक द्वीपों की ओर जाते समय चीनी तटरक्षक जहाजों के ''अवैध व आक्रामक युद्धाभ्यास का सामना करना पड़ा।

बयान में कहा गया है, ''इन खतरनाक युद्धाभ्यासों के परिणामस्वरूप टक्कर हुई, जिससे फिलिपीन तट रक्षक बल के दोनों जहाजों को संरचनात्मक क्षति हुई।'' टास्क फोर्स ने कहा कि 'बीआरपी केप एंगानो' और एक चीनी जहाज के बीच हुई टक्कर के कारण फिलीपीन के जहाज के 'डेक' पर लगभग 5 इंच चौड़ा एक छेद हो गया है।

टास्क फोर्स के अनुसार, लगभग 16 मिनट बाद, दूसरे फिलिपीनी जहाज बीआरपी बागाके को एक अन्य चीनी जहाज ने दो बार टक्कर मारी, जिससे मामूली संरचनात्मक क्षति हुई। टास्क फोर्स ने कहा, ''(फिलिपीन तटरक्षक बल) हमारे राष्ट्रीय हितों के सामने आने वाले किसी भी खतरे से निपटते हुए समुद्री क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी जिम्मेदारी निभाने को लेकर दृढ़ संकल्पित हैं।

संसद और विधानसभाओं में आरक्षण मिलने से महिलाएं सशक्त होंगी : मोहन यादव

उज्जैन/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को कहा कि संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का कदम उन्हें सशक्त बनाएगा। यादव ने 'पीटीआई' से बातचीत में कहा कि सरकार महिलाओं के कल्याण के लिए काम करने को प्रतिबद्ध है। उन्होंने निर्वाचित निकायों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले कानून के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की। यादव ने कहा, लोक कल्याण से जुड़े कार्यों में महिलाओं की भूमिका बढ़ी है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया है। यह एक बड़ा फैसला है। दुनिया भारतीय लोकतंत्र की ताकत देखेगी। मोदी जी के नेतृत्व में भारत आगे बढ़ता रहेगा शनिवार को यूनिसेफ की भारत इकाई ने किशोरियों में मासिक धर्म स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए स्कूली छात्राओं को सैनिटरी नैपकिन प्रदान करने की यादव की पहल की सराहना की थी। यादव ने कहा, सरकार ने हाई स्कूल और इंटर में पढ़ने वाली छात्राओं को सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने की योजना की घोषणा की है।

नई दिल्ली में सोमवार को रक्षा बंधन के अवसर पर स्कूल की छात्रा ने सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी की कलाई पर राखी बांधती हुई।

'स्त्री 2' ने बॉक्स ऑफिस पर मचाया तूफान कमाई 190 करोड़ के पार

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की जोड़ी वाली फिल्म स्त्री 2 ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 190 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है। फिल्म 'स्त्री 2' वर्ष 2018 में रिलीज सुपरहिट फिल्म 'स्त्री' का सीक्वल है। फिल्म 'स्त्री 2' में श्रद्धा कपूर, राज कुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना, तमन्ना भाटिया, अभिषेक बनर्जी जैसे कलाकार हैं।अमर कौशिक के निर्देशन में बनी फिल्म स्त्री 2, 'स्त्री 2' 14 अगस्त को रात, 9:30 बने सिनेमाघरों में रिलीज हुयी।ऑडियंस और क्रिटिक्स की तरफ से हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 को पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिलता दिख रहा है।

फिल्म 'स्त्री-2' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है।फिल्म की कमाई के आंकड़े सैकनिल्क ने अपनी रिपोर्ट में जारी किए हैं। 14 अगस्त को पेड प्रिव्यू से स्त्री 2 ने 8.5 करोड़ रुपये की कमाई की। 15 अगस्त को स्त्री 2 ने 51.80 करोड़ रुपये, 16 अगस्त को 31.40 करोड़ रुपये, 17 अगस्त को 43.85 करोड़ रुपये और 18 अगस्त को अब तक के आंकड़ों के अनुसार 55.00 करोड़ रुपये की नेट कमाई की है। इस तरह फिल्म स्त्री 2 ,190 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर चुकी है। 'स्त्री 2' का निर्माण दिनेश विजान ने मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियोज की ज्योति देशपांडे के साथ मिलकर किया है।

अपराध की निंदा करना ठीक है : नीना गुप्ता

मुंबई/भाषा

अभिनेत्री नीना गुप्ता ने कोलकाता के सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ दुष्कर्म और फिर उसकी हत्या की घटना की निंदा करते हुए कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समाधान निकालने की जरूरत है। अभिनेत्री ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में उन्होंने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर काफी विचार किया है। नीना गुप्ता ने 'पीटीआई-भाषा' से बात करते हुए कहा, इसकी (अपराध की) निंदा करना ठीक है, लेकिन हमें समाधान की जरूरत है। समाधान क्या हो सकता है? हमारा देश बहुत बड़ा है। हर राज्य, जिले, क्षेत्र या गांव में समितियां होंगी जहां वे (महिलाएं) काम करेंगी, निगरानी करेंगी और रिपोर्ट दर्ज करेंगी। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए, गांव में एक शिक्षिका को शाम को या रात को कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है उसके बाद ही वह घर पहुंच पाती है... ऐसे में जो महिलाएं सुरक्षा के लिए जाती हैं वे भी खतरे में होती हैं। मैंने बहुत सोचा, लेकिन कोई समाधान नहीं मिल पाया। समाज को बदलने में बहुत समय लगेगा। सरकार की 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना का जिक्र करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि शिक्षा के बाद अगला कदम रोजगार की ओर है, लेकिन बेटियां कार्यस्थल पर ही सुरक्षित नहीं हैं। नीना गुप्ता ने कहा, 'बेटी पढ़ाओ' के बाद बेटी काम तो करेगी ना, पढ़ाओगे तो। काम करेगी तो भी सुरक्षित नहीं है, इसलिए मैं पूछना चाहती हूं कि समाधान क्या है?

वेब सीरीज मुर्शिद' जी5 पर होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता केके मेनन की वेबसीरीज मुर्शिद ओटीटी प्लेटफार्म जी5 पर 30 अगस्त को रिलीज होगी। केके मेनन इन दिनों अपनी वेब सीरीज मुर्शिद को लेकर चर्चा में हैं।केके मेनन इस सीरीज में गैंगस्टर मुर्शिद का टाइटल रोल निभा रहे हैं।फिल्म के पोस्टर में उनका लुक बड़ा खतरनाक दिख रहा है,वहीं तनुज विरवानी सीरीज में एक पुलिस इंस्पेक्टर का रोल कर रहे हैं। तनुज ने सोशल मीडिया पर एक पोस्टर शेयर किया है जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'ये बॉम्बे है मेरी जान, और यहां सरताज-ए-

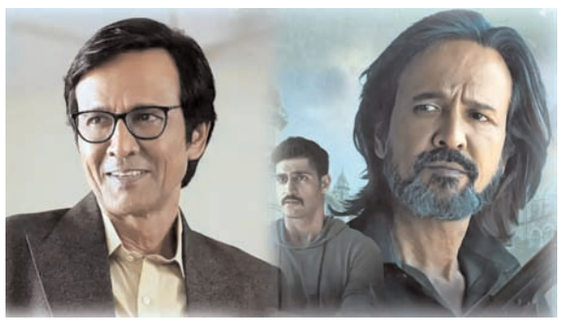

बंबई उर्फ मुर्शिद भाई का सिक्का चलता है।वेब सीरीज 'मुर्शिद' 30 अगस्त से जी5 पर स्ट्रीम करेगी।वेब सीरीज 'मुर्शिद' में एक एक गैंगस्टर की कहानी को दिखाया जाएगा। सात एपिसोड की थ्रिलर वेब सीरीज़ मुर्शिद में केके मेनन, तनुज विरवानी के अलावा जाकिर हुसैन, राजेश श्रृंगारपुरे, अनंग देसाई ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

फिल्म 'घपलेबाज' ओटीटी पर होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

हास्य एवं मनोरंजन से भरपूर फ़िल्म घपलेबाज 19 अगस्त को मास्क टीवी ओटीटी पर रिलीज होगी। घपलेबाज़ को टैग प्रोडक्शन के बैनर तले निर्माता अंजु भट्ट और चिरंजीवी भट्ट ने प्रोड्यूस किया है।टी वी , फ़िल्म्स और स्टेज के उम्दा अदाकार पेंटल,विजय पाटकर,सदा यादव ,सरोज शर्मा ,सूर्यांश त्रिपाठी, माधव लॉरे,एलीना,कर्मवीर,किरण सिंह ,नंदिनी नरेश चांडक,शीतल,अनन्याश्रीवास्तव, अमित,अमन शर्मा और संदीप वर्मा,मिया नुरु खाना, यशराज चौरसिया ,समीर कुमार शर्मा,संध्या श्रीवास्तव,जैकी भाई ,सौर्य रायपुर के अभिनय से सजी घपलेबाज़ इस रक्षाबंधन के पवित्र मौक़े पर स्ट्रीमिंग के लिए पूरी तरह से तैयार है । मास्क टीवी ओ टी टी प्लेटफ़ॉर्म की चैनल प्रोड्यूसर मानसी भट्ट ने कहा, आजकल ज़्यादातर मानसिक अवसाद , विवाद, आर्थिक दबाव से जूझ रहे लोगों को ख़ुद को ख़ुश रखने की जरूरत है, आज सभी को ठहाके लगाकर हँसने की जरूरत है । आज जरूरत है कि फिर से अपने जीवन की दौड़ को अनवरत जारी रखा जाए । इस सीरिज़ के निर्देशक तारिक़ इम्तियाज़ और को प्रोड्यूसर अमित मिश्रा और न्यूमन्ता आर्ट्स, एसोसिएट प्रोड्यूसर नवीन गुप्ता,डी ओ पी लीलामोहन शेट्टी हैं ।

अभिनेत्री सेलिना जेटली ने स्कूल के दिनों में अपने साथ हुए उत्पीड़न को बयां किया

नई दिल्ली/भाषा

अभिनेत्री सेलिना जेटली ने कहा है कि उन्होंने स्कूल के दिनों में कई बार उत्पीड़न का सामना किया था और इस बात पर दुख जताया कि हर बार पीड़ित को ही दोषी ठहराया जाता है। अभिनेत्री की यह टिप्पणी कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक महिला चिकित्सक से बलात्कार व हत्या के खिलाफ जारी प्रदर्शनों के बीच आई है। सेलिना ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट किया, जिसका शीर्षक है ''पीड़ित को ही हमेशा दोषी ठहराया जाता है।'' उन्होंने पोस्ट में कहा, ''समय आ गया है कि हम खड़े हों और अपनी सुरक्षा के अधिकार की मांग करें क्योंकि महिलाओं की कोई गलती नहीं है।'' छठी कक्षा की अपनी तस्वीर साझा करते हुए अभिनेत्री ने याद किया कि कैसे नजदीक के एक विश्वविद्यालय के लड़के स्कूल के बाहर उसका इंतजार करते थे और हर रोज घर तक उसके रिक्शे का पीछा करते थे।

अब 42 वर्ष की हो चुकीं अभिनेत्री ने पोस्ट में लिखा, ''मैं उनकी ओर ध्यान नहीं देने का दिखावा करती और कुछ दिनों बाद इसी वजह से उन्होंने मेरा ध्यान खींचने के लिए बीच सड़क पर मेरी ओर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। मेरे एक शिक्षक ने कहा : मेरे साथ ऐसा इसलिए हुआ कि मैं अधिक ढीले कपड़े नहीं पहनती और अपने बालों में तेल लगाकर दो चोटियां नहीं बांधती। यह मेरी गलती है!'' उन्होंने कहा, सुबह स्कूल रिक्शा का इंतजार करते समय एक व्यक्ति ने मुझे अपने गुप्तांग दिखाये। कई साल तक मैं इस घटना के लिए खुद को दोषी मानती रही और बार-बार अपने मन में टीचर के शब्दों को दोहराती रही कि यह मेरी ही गलती थी।''

अभिनेत्री ने बताया कि जब वह 11वीं कक्षा में थी, तब विश्वविद्यालय के छात्र उसके दोपहिया वाहन के तार काट देते क्योंकि वह उन्हें नजरअंदाज करती थीं। सेलिना ने कहा कि वे उसे परेशान करते, गालियां देते और उसकी गाड़ी पर अश्लील शब्द लिख दिया करते थे।

उत्पीड़न के बारे में अभिनेत्री के कुछ पुरुष सहपाठियों द्वारा शिक्षकों को सूचित किये जाने के बाद, सेलिना ने कहा कि 'क्लास टीचर' ने उसे ही जिम्मेदार ठहराते हुए कहा था कि वह खुले विचारों वाली, स्कूटी चलाने वाली और अतिरिक्त कक्षाओं में जीन्स पहन कर आने तथा खुले व छोटे बाल रखने वाली लड़की है।'' उन्होंने कहा, ''यही कारण है कि लड़के सोचते हैं कि आप चरित्रहीन हैं।

मुझे आज भी वह दिन याद है जब मैंने अपनी स्कूटी से कूदकर खुद को बचाने की कोशिश की क्योंकि वाहन के ब्रेक के तार काट दिये गए थे। मुझे काफी चोटें आई थीं और फिर भी यह मेरी गलती थी... मुझे शारीरिक और मानसिक आघात पहुंचा... और मुझे बताया गया कि यह मेरी गलती थी।'' उन्होंने पोस्ट में लिखा, ''अब समय आ गया है कि हम खड़े हों और सुरक्षा किये जाने के अपने अधिकार की मांग करें। हमारी कोई गलती नहीं है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | मंगलवार | 20-08-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

थोड़ी-सी भिन्नता के कारण व्यक्ति के मन में विचार बदलते हैं। अलग-अलग ज्ञान, दर्शन देखते हैं तो मन ऊपर-नीचे हो जाता है। व्यक्ति सत्य से विमुख हो जाता है। सत्य यानी जो शाश्वत, स्थायी हो, हमेशा आपके साथ चलता रहे। ऐसे सत्य का दर्शन कराने वाले, उसे जोड़कर रखने वाले परमात्मा का दर्शन है। वहां भी हमारा मिथ्यात्व शुरू हो जाता है। मिथ्यात्व मोहनीय कर्म का उपशम भी होता है। उपशम यानी हमारे कर्मों को दबा देना। जैसे पानी में फिटकरी डालने से उसमें रही हुई गंदगी नीचे जमा हो जाती है और पानी शुद्ध हो जाता है।

रक्षाबंधन बंधन नहीं बल्कि मुक्ति दिलाने वाला है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रक्षाबंधन बंधन नहीं बल्कि मुक्ति दिलाने वाला पर्व है। सोमवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर के आनन्द दरबार में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी महाराज ने श्रावक श्राविकाओं को रक्षाबंधन का महत्व बताते हुए कहा कि संपूर्ण भारत में भारतीय संस्कृति का अनुसरण करने वाले ऐसे समाज, समूह रक्षाबंधन अत्यंत उत्साह के साथ मनाते हैं। रक्षाबंधन की प्राचीन कथानक में कहा गया है कि देवों और इंद्र की राक्षसों से रक्षा के लिए विष्णु वामण रुप धारण कर राजा बलि से वरदान मांगा था। उस वरदान से देवों की रक्षा हुई। उसी तरह हमारे भीतर के गुणों की रक्षा करने के लिए रक्षाबंधन मनाते हैं।

उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन वह है जो वासना से मुक्ति दिलाए। वासना के आवेग को शांत करने का रक्षा सूत्र है। भाई अपने सामर्थ्य को सही दिशा में उपयोग करे। निर्बलों की रक्षा तभी संभव है, जब हमारा सामर्थ्य सुरक्षित है। उन्होंने कहा जैन कथाओं में भी कई संदर्भ आते हैं। हिरण के पीछे शिकारी, मछली के पीछे मछुआरे और सज्जन लोगों के पीछे दुष्ट तत्व पड़े रहते हैं। उन्होंने बताया कि रक्षाबंधन को नारियल पूनम के रूप में भी मनाते हैं। रक्षाबंधन की पावन बेला, जिसमें इतिहास कहता है, कई पावन रक्षा सूत्रों द्वारा महापुरुषों की रक्षा हुई है।

उन्होंने कहा आज रक्षाबंधन का मतलब ही बदल गया है। यह पर्व है, आत्म तेज को प्रकट करने वाला त्यौहार है। यह जीव रक्षा की मंगल प्रेरणा है। यह बंधन नहीं बल्कि मुक्ति दिलाने वाला है। आज प्रतिज्ञा करें जो हमारे मन को कलुषित करने वाली चीजें हैं, उन्हें नहीं देखना है। आज का रक्षाबंधन मंगल भावनाओं को संप्रेषित करने वाला बनें।

इस दौरान बड़ी संख्या में नवकार मंत्रोच्चारण के साथ बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर यह त्यौहार मनाया। भाई-बहनों की श्रेष्ठ जोड़ियों को अलग-अलग वर्गों में पुरस्कृत किया गया। सुश्राविका वन्दना बाघमार ने अठाई तप के प्रत्याख्यान ग्रहण किया। चौरड़िया परिवार की ननद भाभी की जोड़ी ने 20 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। इसके अलावा कई तपस्यार्थियों ने 18,33,16,14, तेलों के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। सोमवार को नवकार मंत्र जप के लाभार्थी नरेन्द्र रुपेश गुगलिया परिवार थे।

वालीबॉल प्रतियोगिता का हुआ समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु के तत्वावधान में चल रहे गोयल्स मार्बल व ग्रेनाइट आरपीएल वालीबॉल प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ। डीजी वैष्णव महाविद्यालय में 12 टीमों के इस टूर्नामेंट में वैष्णव महाविद्यालय में 12 टीमों के इस टूर्नामेंट में अभीज ग्लेडिएटर्स चैंपियन बनी व सुराना स्ट्राइकर्स उप-विजेता बनी। अभीज ग्लेडिएटर्स के ही अभिनन्दन प्लेयर आफ दी टूर्नामेंट रहे व उनकी ही टीम के वीतराग फाइनल मैच के मैन ऑफ द मैच रहे। इसके पहले हुए दोनों सेमीफाइनल्स के मैन ऑफ द मैच सुराना स्ट्राइकर्स के कमलेश व अभीज ग्लेडिएटर्स के शिवा मैन ऑफ द मैच बने। 12 टीमों के इस राऊण्ड रोबिन टूर्नामेंट में कुल 35 मैचेज खेले गए। समापन समारोह में राजस्थानी एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मोहन बजाज, इस वर्ष के मंत्री हेमंत दुगड़, ओलम्पियाड के सह-संयोजक मदन राठी, वेटरन खिलाड़ी फूलचंद नाहर, ओलम्पियाड के समन्वयक अजय नाहर, वालीबॉल समिति के सह-संयोजक पृथ्वीराज छल्लानी व सदस्य गौतम बाफना के अलावा बहुत सारे पूर्व खिलाड़ी बन्धुओं का समागम हुआ व टूर्नामेंट शानदार तरीके से सम्पन्न हुआ।

प्रत्येक जीव की रक्षा का संकल्प ही सच्चा रक्षाबंधन है : साध्वीश्री धर्मप्रभा

मानव सेवा कार्य से शुरु हुआ महापुरुषों का स्मृति दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने जैन दर्शन में राखी का महत्त्व पर विस्तार से एक आगमिक कथानक पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक जीव की रक्षा का संकल्प ही सच्चा रक्षाबंधन है। तीर्थंकर भगवान जगत के जीवों के लिए कल्याण के हेतु जिनवाणी फरमाते हैं। परमात्मा प्रभु के प्रवचन देने का सार यही रहता है कि जगत जीवों के दुःख, पीड़ा, संताप को मिटाने के लिए। आगमवाणी का श्रवण, आंचरण भव्य जीवों की कर्मनिर्जरा में सहायक बनें। रत्नत्रय धर्म की रक्षा के साथ, जीवों की तप-जप आराधना के साथ धर्म की आराधना में अगि बढ़ाने के लिए धर्म-जिनवाणी की अमृत देशना देते हैं। वैदिक साहित्य में रक्षाबंधन पर्व मनाने के साथ जुड़े कथानकों के साथ जैनदर्शन में भी रक्षाबंधन के पर्व से जुड़े बीसवें तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रत जी के शासनकाल से रहे हुए एक प्रेरणादायक रोचक कथानक पर विवेचना दी।

साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने श्रमण सूर्य मरुधर केसरी श्री मिश्रीमलजी व राजस्थान वरिष्ठ प्रवर्त्तकश्री रुपमुनिजी की जयंती व पुण्यतिथि के मौके पर सोमवार से आयोजित होने वाले सप्त दिवसीय आध्यात्मिक कार्यक्रमों की जानकारी दी। प्रथम दिवस में मानव सेवा दिवस के रूप में सरकारी हाईस्कूल व प्राथमिक स्कूल, सरकारी प्रायमरी स्कूल गवीपुरम और सरकारी माडल प्रायमरी स्कूल श्रीनगर के विद्यार्थियों व तीन अनाथाश्रम के नेत्रहीन व्यक्तियों को स्वेटर कपड़े चटाई-मैट, कूकर, कंबल, बर्तन आदि दैनिक जीवन सहित अन्य जरुरत की सामग्री प्रदान की।

सहमंत्री रमेश गुन्देचा व हनुमंतनगर नवयुवक मंडल ने कार्यक्रम में विशेष सेवाएं प्रदान की। हनुमंतनगर संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी एवं मंत्री सुरेश कुमार धोका ने सबका स्वागत किया। संचालन सहमंत्री संजय सिंघवी ने किया।

प्राणी मात्र की रक्षा करना हमारा परम कर्तव्य है : साध्वी धैर्याश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक सेपिंग्स रोड चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी धैर्याश्रीजी ने कहा कि आज का सूरज धर्म की रक्षा, आत्म की रक्षा का संदेश लेकर आया है। प्राणी मात्र की रक्षा करना हमारा परम कर्तव्य है। साध्वीश्री ने कथा श्रवण कराते हुए कहा कि श्रावण मास की पुर्णिमा को नारकी पूर्णिमा भी कहकर पुकारते है। जब धर्म पर संकट आया तब मुनियों की रक्षा हेतु विष्णु कुमार ने वामन का वेश धारण कर राजा बलि से तीन कदम की धरती मांगी, बलि ने देने का संकल्प किया तो मुनिराज ने विशाल रूप बनाकर दो कदम से सारी धरती माप ली, चारों ओर त्राहि त्राहि होने लगी, अब तीसरा पैर कहां रखना तो राजा बलि पर रख दिया। मुनिराज क्षमा के भंडार होते है, बलि ने क्षमा मांगी, उसे क्षमा दी तो उपसर्ग दूर हुआ। तब विष्णु कुमार ने पुनः दीक्षा धारण कर ली। सभी ने मिलकर विष्णु कुमार की पूजा अर्चना की। सभी को सेव की खीर का भोजन कराया। इस प्रकार धर्म की रक्षा कर रक्षा सूत्र बंधा। तब से रक्षा बंधन मनाया गया। संचालन गौतम नाहर ने किया।

गुरु इकतीसा का सामूहिक पाठ एवं गुरुप्रसादी वितरण सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद बेंगलूरु शाखा द्वारा मुनिश्री मलयप्रभसागरजी एवं साध्वीश्री स्वर्णजनाश्रीजी की प्रेरणा से सोमवार को गांधीनगर श्री जगवल्लभ पार्श्वनाथ जैन मंदिर एवं दादावाड़ी के प्रांगण में विधि विधान से गुरु इकतीसा का सामूहिक पाठ एवं गुरुप्रसादी वितरण किया गया। गुरु इकतीसा के संयोजक विकाश पारख एवं हेमंत गुलेछा ने सभी का स्वागत किया। परिषद के अध्यक्ष पंकज बाफना ने सभी को धन्यवाद दिया। परिषद के मंत्री विकास खटोड ने बताया कि महामृत्युंजय मासक्षमण तपस्वी दीपक छाजेड़ का युवा परिषद द्वारा सम्मान किया। यह जानकारी कैलाश संखलेचा द्वारा दी गयी।

विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास फोटोग्राफी सोसाइटी द्वारा विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया गया। सोसाइटी द्वारा अन्नानगर के गोरोदिया स्कूल के ऑडियोरियम में 'ऑल-इंडिया डिजिटल फोटोग्राफी सैलून - 2024' के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। अखिल भारतीय स्तर पर सैलून के लिए 173 प्रतिभागियों की लगभग 2800 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं। देश के विभिन्न भागों से आये जूरी सदस्यों ने चित्रों का चयन किया।

अशोक कांदिमल्ला समारोह के मुख्य अतिथि थे और उन्होंने ' 'फोटोग्राफी - कल, आज और कल' विषय पर व्याख्यान दिया। अशोक केडिया ने स्वागत भाषण दिया।

डॉ. टीपी अलगनाथम ने मद्रास फोटोग्राफी सोसाइटी की गतिविधियों की जानकारी दी। बालू ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। रंगराजन, रवि, मोहनकृष्णन इस कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए सैलून के समिति सदस्य थे।

रोटरी क्लुब ऑफ़ मद्रास टी नगर ने शुरू की बालिका शिक्षा परियोजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रोटरी क्लब ऑफ़ मद्रास टी नगर की ओर से गुंटूर सुबैया पिल्लई गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में कमला देवी श्रीश्रीमाल बालिका शिक्षा परियोजना का हाल ही में उद्घाटन किया गया।

आर्थिक रूप से पिछड़े पृष्ठभूमि की छात्राओं को शिक्षित करने से उनमें स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता बढ़ती है। जिससे उन्हें अपने सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने में मदद मिलती है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य स्कूली छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान करना और कर्मचारियों को वेतन सहायता प्रदान करना शामिल है।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता गोकुल वर्षिनी द्वारा वुशु और सीलमबम के प्रदर्शन के साथ हुआ। शिक्षा परियोजना का उद्घाटन मुख्य अतिथि एन प्रभा श्रीश्रीमाल और विशिष्ट अतिथि नरेंद्र कुमार श्रीश्रीमाल अध्यक्ष रोटरी क्लब ऑफ मद्रास ने किया। अन्य अतिथियों में रोटेरियन क्लब आफ मद्रास टी नगर परिवार के सदस्य विपिन अग्रवाल, मुकुंदन, मुरली भास्कर, एन लक्ष्मी, मुरली, रवि वेंकटरमन, लता रवि उद्घाटन अवसर पर शामिल थे। इस अवसर पर कमला देवी श्रीश्रीमाल की पोती ईशा श्रीश्रीमॉल भी परियोजना के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित रही।

ग़ज़ल

वक़्त गुज़र जाता है

उम्दा वक़्त गुज़र जाता है
सच्चा प्रेम नज़र आता है

मिट जाती है चोट सरसरी
गहरा ज़ख्म ठहर जाता है

खाली छोड़ दिया जाए तो
मन चिंता से भर जाता है

भेष बदलकर चलने वाला
परछाई से डर जाता है

रहता है वो अँधियारे में
अधिगम जिसका मर जाता है

सत्य सदा अपनाने वाला
भवसागर से तर जाता है

स्वार्थ मिला देता है वरना
कौन किसी के घर जाता है

मुंसिफ़ के आगे जाते ही
हर गुस्ताख़ मुकर जाता है

हार नहीं मानें तो 'नवरंग'
बिगड़ा भाग्य सँवर जाता है

■ माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'
मो.9424141875

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रक्षासूत्र

रक्षाबंधन के अवसर पर विनोदकुमार पटवा और वीरेन्द्र सज्जनार ने हुब्बल्ली सेंट्रल के विधायक महेश टेंगेंकाई को राखी बांधी। इस मौके पर साईंनाथ डालबंजन, दत्तमूर्ति कुलकर्णी, विलास देसाई, डी. रघु और अन्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सहयोग : तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के सदस्यों ने बाबूलाल गन्ना परिवार के सौजन्य से श्रीरामपुरम स्थित सरकारी स्कूल में नीड बेस इंडिया द्वारा संचालित कन्या छात्रावास में रक्षाबंधन पर्व मनाया गया तथा वहां निवासित 80 कन्याओं से राखी बंधवाई। सभी को परिषद परिवार द्वारा चाकलेट एवं सुबह का नाश्ता वितरण किया गया। इस अवसर पर तेयुप से राजेश देरासरिया, जयंतीलाल गांधी,सुनील मेहता, रवि चौधरी, विनोद कोठारी, शांतिलाल पितलिया, हरीश पोरवाड़, मुकेश नाहर एवं मानव सेवा के संयोजक मुकेश भंडारी ने श्रमसेवा प्रदान की।

गुण द्वारा अध्यात्म व सम्यकत्व प्राप्ति सुलभ : आचार्य अरिहंतसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधर शान्तिसूरि जैन संघ, वीवी पुरम के तत्वावधान में संभवनाथ भवन में प्रवचन देते हुए आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि गृहस्थ जीवन में गुण की पुष्टि हो इसलिए गुणों का विश्लेषण है। धन तो बाह्य भौतिक सामग्री दे देगा परंतु सुख शांति देने वाले तो गुण ही है। पैसा और धन परलोक में साथ नहीं आएंगे परंतु गुण जरूर साथ में आते हैं, अतः गुण की उपासना करनी चाहिए। गुण के द्वारा अध्यात्म प्राप्ति सम्यक्त्व प्राप्ति सुलभ बनती है। प्रवचन के अंदर गृहस्थ के सामान्य गुण का वर्णन करते हुए पूज्य महाराज साहब ने कहा कि पहला गुण है, लोक निंदा से डरना । सज्जन लोग जिस कार्य की निंदा करें वह कार्य जीवन में नहीं करना चाहिए । सज्जन लोग के अभिप्राय का महत्व होता है। दुर्जन व्यक्ति निंदा करें तो उसको लक्ष्य में नहीं लेना चाहिए क्योंकि उनके अभिप्राय का कोई महत्व नहीं है, कोई कीमत नहीं है । दूसरा गुण है दीन, दुखी, अनाथ को ऊपर लाने की कोशिश करना। धन उस व्यक्ति का प्रशंसनीय है जो दाता है। न्याय उसी का प्रशंसनीय है जो सुरक्षा देता है। रूप उस व्यक्ति का ही प्रशंसनीय है जो सदाचार का पालन करता है । ज्ञान उसी का प्रशंसनीय है जो व्यक्ति जीवन में नम्र रहता है । बल भी उसी का प्रशंसनीय है जो व्यक्ति दूसरों की रक्षा करता है। अकेले स्वार्थी मत बनना। आपका किया हुआ अच्छा कार्य कभी निष्फल नहीं जाएगा और आपका किया हुआ बुरा कार्य कभी फल दिए बिना नहीं रहेगा, इसलिए जीवन में ऐसे गुण प्राप्त करने चाहिए जो हमारा भी भला करे और दूसरों का भी भला करे ।

क्रोध, अहंकार को छोड़ने का सन्देश देता है रक्षाबंधन : विनयमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गणेश बाग में चातुर्मासार्थ विराजित शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि वर्तमान काल में धर्म आराधना करने के लिए श्रेष्ठत्तम 'सामायिक व्रत' का दिन में तीन बार अभ्यास करने का प्रयास करना चाहिए। भूखे रहना, दर्शन यात्राएँ, बड़ी बड़ी तपस्याएँ करते हुए भी सावद्य योगों की विरति प्रायः नामुमकिन होती है। जैनत्व के तत्वज्ञान में सामायिक अर्थात सावद्य योगों से विरति, शुद्ध निर्मल और पवित्र धर्म आराधना होती है। एक सामायिक में ज्ञान, दर्शन और चारित्र, तप चारों का पालन होता है। ऐसे निर्मल सरल पावन आराधना को अवश्य करनी ही चाहिए। संतश्री ने रक्षाबंधन का महत्त्व बताते हुए कहा कि सावन की पूर्णिमा अर्थात रक्षा बंधन जो कि भाई-बहन का निर्मल पावन पवित्र प्रेम दिवस है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.